संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक
दैनन्दिनी.

◆ वर्ष-14 ◆अंक-167 ◆ रायपुर, बुधवार 15 नवंबर 2023 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ◆ CHHHIN/2010/34274 ◆ पृष्ठ-08 मूल्य-1.50 रुपए

द्वितीय चरण के 70 विधानसभा क्षेत्रों में आज थमेगा प्रचार-प्रसार

70 विधानसभा सीटों में 958 अभ्यर्थी मैदान में, एक तृतीय लिंग प्रत्याशी भी शामिल

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा आम निवार्चन-2023 के अंतर्गत द्वितीय चरण में 70 विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले मतदान के लिए बुधवार 15 नवम्बर को शाम पांच बजे तक प्रचार-प्रसार का शोर थम जाएगा। मतदान की समाप्ति समय के 48 घंटे पूर्व से सार्वजनिक मंचों से प्रचार-प्रसार प्रतिबंधित रहेगा। लेकिन इस दौरान प्रत्याशी घर-घर जाकर जनसंपर्क कर सकेंगे। द्वितीय चरण के 70 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 958 उम्मीदवार अपना भाग्य आजमा रहे हैं जिनमें 827 पुरूष, 130 महिला और एक तृतीय लिंग हैं।

द्वितीय चरण के मतदान के दौरान प्रदेश के एक करोड़ 63 लाख 14 हजार 479 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 81 लाख 41 हजार 624 पुरुष मतदाता, 81 लाख 72 हजार 171 महिला मतदाता तथा 684 तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं। सुगम मतदान सुनिश्चित करने के लिए कुल 18 हजार 833 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इनमें से 700 संगवारी मतदान केंद्र हैं जहां सिर्फ महिला मतदान कर्मी ही पदस्थ रहेंगी।

छत्तीसगढ़ में विधानसभा आम निर्वाचन के लिए दूसरे चरण में 17 नवम्बर को 70 विधानसभा क्षेत्रों में वोट डाले जाएंगे। इसके लिए सवेरे आठ बजे से शाम पांच बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। केवल बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के नौ मतदान केंद्रों कामरभौदी, आमामोरा, ओढ, बड़े गोबरा, गंवरगांव, गरीबा, नागेश, सहबीनकछार और कोदोमाली में सवेरे सात बजे से दोपहर तीन बजे तक मतदान होगा। इनके अलावा बिन्द्रानवागढ़ के शेष मतदान केंद्रों में अन्य 69 विधानसभा क्षेत्रों की तरह सवेरे आठ बजे से शाम पांच बजे तक वोट डाले जाएंगे।

विधानसभा आम निर्वाचन के लिए दूसरे चरण में भरतपुर-सोनहत, मनेन्द्रगढ़, बैकुंठपुर, प्रेमनगर, भटगांव, प्रतापपुर, रामानुजगंज, सामरी, लुण्ड्रा, अम्बिकापुर, सीतापुर, जशपुर, कुनकुरी, पत्थलगांव, लैलूंगा, रायगढ़, सारंगढ़, खरसिया, धर्मजयगढ़, रामपुर, कोरबा, कटघोरा, पाली-तानाखार, मरवाही, कोटा, लोरमी, मुंगेली, तखतपुर, बिल्हा, बिलासपुर, बेलतरा, मस्तूरी, अकलतरा, जांजगीर-चांपा, सक्ती, चंद्रपुर, जैजैपुर, पामगढ़, सराईपाली, बसना, खल्लारी, महासमुंद, बिलाईगढ़, कसडोल, बलौदाबाजार, भाटापारा, धरसींवा, रायपुर ग्रामीण, रायपुर नगर पश्चिम, रायपुर नगर उत्तर, रायपुर नगर दक्षिण, आरंग, अभनपुर, राजिम, बिन्द्रानवागढ़, सिहावा, कुरूद, धमतरी, संजारी-बालोद, डौंडीलोहारा, गुण्डरदेही, पाटन, दुर्ग ग्रामीण, दुर्ग शहर, भिलाई नगर, वैशाली नगर, अहिवारा, साजा, बेमेतरा और नवागढ़ विधानसभा क्षेत्रों में वोट डाले जाएंगे।

आज का पंचांग

तिथि : द्वितिया
नक्षत्र : ज्येष्ठा
प्रथम : करण
द्वितिय : करण
पक्षः शुक्ल
वार : बुधवार
योग : अतिगंदा
सूर्योदय :06:46
सूर्यास्त :17:23
चंद्रमा : वृश्चिक
राहुकाल :12:05- 13:24
विक्रमी संवत् : 2080
शक सम्वत् : 1944
मास : कार्तिक
शुभ मुहूर्त : अभिजीत : कोई नहीं

करण: एक तिथि में दो करण होते हैं। एक तिथि के पूर्वार्ध में और एक तिथि के उत्तरार्ध में। ऐसे कुल 11 करण होते हैं।

पीएम मोदी आप बोल रहे हैं, मैं सुन रहा हूँ, जल्द जवाब मिलेगा : भूपेश बघेल

छत्तीसगढ़ियों पर अगर बात आएगी, तो न मैं चुप बैठूंगा न छत्तीसगढ़ की जनता चुप बैठेगी

रायपुर। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को गाली देने के मुद्दे पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पलटवार किया है। बघेल ने कहा कि वे (मोदी) ही ओबीसी नहीं हैं। वो तो जब मुख्यमंत्री बनें तब वे संशोधन करके ओबीसी बने.. नहीं तो वो तो ओबीसी में भी नहीं थे। महादेव एप को लेकर लग रहे आरोपों पर भी सीएम भूपेश ने जवाब दिया है।

बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी छत्तीसगढ़ में अपनी जनसभाओं के दौरान कांग्रेस पर मोदी के बहाने पूरे ओबीसी समाज को गाली देने का आरोप लगाते रहे हैं। महादेव एप को लेकर भी पीएम मोदी ने सीएम भूपेश पर आरोप लगाया है। इस पर पलटवार करते हुए सीएम भूपेश ने कहा कि मैं किस वर्ग से आता हूं, मैं भी ओबीसी हूं। सीएम भूपेश ने कहा कि मोदी के एक जिम्मेदार पद पर बैठे हैं उनको सवालों का जवाब देना होगा। उन्हें यह भी बताना होगा कि जातिगत जनगणना क्यों नहीं करा रहे हैं। किससे और क्यों डर रहे हैं। बघेल ने कहा कि

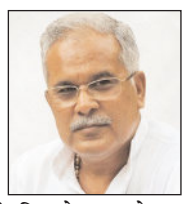

प्रधानमंत्री के पद पर बैठे हैं यदि आलोचना होती है तो प्रधानमंत्री की होती है व्यक्ति की नहीं। उसे व्यक्तिगत क्यों ले रहे हैं।

गुगल पर 508 सर्च करने पर सीएम भूपेश का चेहरा आता है। पीएम मोदी के इस आरोप पर बघेल ने कहा कि गुगल पर सबसे सबड़ा झूठा सर्च करेंगे तो मोदी जी का चेहरा आएगा। सीएम ने कहा कि यह पूरा कहानी 17 तक चलेगा अभी बहुत सारी स्टोरी ये लोग लेकर आएंगे। इसका कोई सिर पैर नहीं है आनंद लिजिए। सीएम ने इस मामले में पीएम एक्स (ट्वीट) भी किया है। लिखा है- आप छत्तीसगढ़ में आकर मुझे गाली दे रहे हैं। मैं सुन रहा हूं। आपके मंत्री और नेता आकर मुझे बदनाम कर रहे हैं। मैं सुन रहा हूं। पहले रमन सिंह जी ने मुझे छोटा आदमी कहा था, मैंने सुन लिया था। लेकिन मेरे छत्तीसगढ़ की जनता को अपशब्द न कहना, छत्तीसगढ़ियों पर अगर बात आएगी, तो न मैं चुप बैठूंगा न छत्तीसगढ़ की जनता चुप बैठेगी। भरपूर जवाब मिलेगा।

प्रियंका गांधी और सीएम भूपेश बघेल ने रायपुर में किया रोड शो

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 17 नवंबर को दूसरे चरण की 70 सीटों पर मतदान होना है, कल यानी 15 नवंबर की शाम राज्य में चुनाव प्रचार थम जाएगा. जिसे देखते हुए राजनीतिक पार्टियों ने प्रचार-प्रसार में पूरी ताकत झोंक दी है.

बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों के दिग्गज नेताओं का दौरा जारी है. इसी कड़ी में आज कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा छत्तीसगढ़ दौरे पर आई हुई है. प्रियंका आज राजधानी रायपुर में रोड शो कर

रही है. प्रियंका गांधी के साथ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पसीसी अध्यक्ष दीपक बैज और राजधानी रायपुर की सभी विधानसभा सीटों से कांग्रेस के प्रत्याशी मौजूद है.

गद्दा गोदाम में लगी भीषण आग

रायपुर। राजधानी रायपुर के मोवा थाना क्षेत्र के प्रेमनगर में स्थित गद्दे की फैक्ट्री के गोदाम में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटों ने पूरे फैक्ट्री के गोदाम को आगोश में ले लिया। सूचना पर आग को बुझाने दमकल की चार गाड़ियां लगाई गई। घंटों मशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया। इधर, रिहायशी इलाका होने के चलते पड़ोसी घरों में आग लगने की आशंका से पड़ोस में रहने वाले लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकलकर सड़कों पर

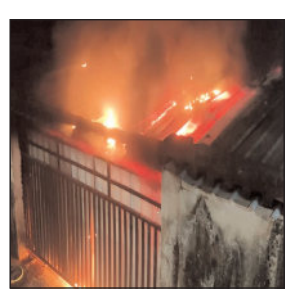

आए गए। गोदाम मालिक के अनुसार इस आगजनी से लाखों का नुकसान हुआ है। फिलहाल आग लगने का कारणों का पता नहीं सका है। जानकारी के अनुसार मोवा थाना क्षेत्र के प्रेमनगर में एक गद्दे की फैक्ट्री है। यहां सोमवार की शाम इस फैक्ट्री के गोदाम में अचानक लग गई। थोड़ी देर में आग भयावह रूप ले लेती है। देखते ही देखते गोदाम में चारों तरफ रखे सामान आग की चपेट में आ गए। स्थानीय लोगों ने आग लगने की जानकारी पुलिस और फायरब्रिगेड को दी। इसे बुझाने के लिए दमकल की चार गाड़ियां लगाई गई। आग से गोदाम में रखा सामान जलकर खाक हो गया। आग के धुएं से परेशान लोग घरों से बाहर निकलकर सड़कों पर आ गए।

जुमलेबाज मन ला काबर चुनना
वादा नइ निभइस मारिस लबारी

एक रिहिस मिठलबरा
वादा करके नइ निभइस

2100 रु धान के कीमत नइ मिलिस ✠
300रु बोनस हर साल नइ मिलिस ✠
हर आदिवासी परिवार ला नौकरी नइ दिस ✠

एक हे बड़लबरा
वादा करके जुमला बता दिस

✠ किसान के आय दोगुना नइ होइस
✠ काला धन वापस नइ अइस, 15 लाख खाता में नइ अइस
✠ हर साल दू करोड़ रोजगार नइ मिलिस

फेर देवत हे झूठा गारंटी लबरा मन
नइ करन भरोसा ओखर उपर हमन

चुनना हे फेर कांग्रेस ला
जे हर वादा ल निभइस

वादा हे, फेर निभाबो

❖ माता-बहिनी मन ला मिलही हर साल 15,000 रुपया
❖ किसान के कर्जा फेर होही माफ
❖ 20 क्विंटल धान खरीदी शुरु, दाम मिलही 3,200 रुपया
❖ गैस सिलेंडर भरवाहू त 500 रु सीधा आही महतारी-बहिनी के खाता म
❖ 200 यूनिट तक बिजली मिलही मुफ्त
❖ केजी से पीजी तक पढ़ई होही बिना फीस, इंजीनियरिंग, मेडिकल अउ डिप्लोमा घलो म लागू
❖ छत्तीसगढ़ के सब्बो स्कूल ल स्वामी आत्मानंद स्कूल योजना में लाबो, बढ़िया बनाबो
❖ तेंदूपत्ता के मिलही 6,000 बोरा अउ 4,000 रुपिया सालाना बोनस भी
❖ इलाज बर मिलही अब 10 लाख रुपया तक के सहायता

भरोसा बरकरार, फिर से कांग्रेस सरकार
छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी

एक नजर

आबकारी विभाग बिलासपुर की कार्यवाही

बिलासपुर। विधानसभा निर्वाचन को दृष्टिगत रखते हुए निर्वाचन आयोग द्वारा अवैध शराब पर कड़ी कार्यवाही के निर्देश प्रसारित किए गए हैं। इसी क्रम में बिलासपुर कलेक्टर अवनीश कुमार शरणके निर्देश तथा उपायुक्त आबकारी जिला बिलासपुर श्री दिनकर वासनिक के मार्गदर्शन मेंआबकारी विभाग द्वारा दीपावली त्यौहार के दिन दिनांक12/11/23को मस्तूरी वृत्त केग्राम बेल्हा थाना पचपेड़ी मेंअवैध मदिरा विक्रेताओं पर कार्यवाही की गई।

केकड़ा पकड़ने गई नशे में धुत्त महिला गिरी तो दोबारा नहीं उठी

कोरबा। सुदूर वनांचल क्षेत्र में अपने दो गुना उम्र महिला के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे जोड़े ने शराब पी, फिर केकड़ा पकड़ने नाला जा पहुंचे। यहां महिला गश खाकर गिरी तो दोबारा नहीं उठी और उसकी मौत हो गई। युवक उसे घर लाकर दो दिन तक शव रखा। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव बरामद कर वैधानिक कार्रवाई की। बीस वर्षीय युवक अपने से दोगुनी उम्र की महिला के साथ लिव इन रिलेशनशिप में था। इस जोड़े ने पहले तो छककर शराब का सेवन कर लिया। इसके बाद केकड़ा पकड़ने नाला जा पहुंचे। जहां महिला गश खाकर गिर गई। युवक जैसे- तैसे महिला को घर तो ले आया, लेकिन उसकी जान नही बचा सका। वह दो दिनों तक महिला के शव को घर में ही रखा रहा। इसकी भनक परिजनों को तब लगी, जब वे घर पहुंचे। सूचना मिलते ही हरकत मे आई पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मामले में वैधानिक कार्रवाई उपरांत जांच की जा रही है।जटगा पुलिस चैकी क्षेत्र के ग्राम पंचायत रावा के आश्रित ग्राम चचईहा पारा में सुखसेन धनुहार 20 वर्ष व 38 वर्षीय शुकवारो बाई पति- पत्नी की तरह रहते थे।

सड़क हादसे में एक युवक की हुई मृत्यु- दो गंभीर घायल

कोरबा। कोरबा जिले के ग्राम तरदा के पास मोड़ पर एक अनियंत्रित मालवाहक ने एक युवक को ठोकर मारते हुए बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। टाटा मैजिक ने बाइक सवार के साथ सड़क पर खड़े एक अन्य युवक को भी टक्कर मारी। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर घायल हो गए। हादसा उरगा थाना क्षेत्र का हैं। जानकारी के अनुसार ग्राम तरदा निवासी मानू सिंह कंवर 20 साल अपने दोस्त निहाल चैहान के साथ किसी काम से उरगा आया हुआ था। वे दोनों लगभग 4.30 बजे घर लौट रहे थे। वे तरदा के समीप मोड़ में पहुंचे थे। इसी दौरान सामने से आ रही टाटा मैजिक मालवाहक के ड्राइवर ने मोड़ में नियंत्रण खो दिया। जिससे अनियंत्रित मालवाहक ने सड़क किनारे खड़े एक युवक को ठोकर मारते हुए बाइक को जोरदार टक्कर मारते हुए अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद मालवाहक का ड्राइवर मौके से वाहन छोड़ फरार हो गया। सूचना के बाद पुलिस ने टाटा मैजिक को अपने कब्जे में लेकर मामले में आगे की कार्रवाई की है।

मातृ वंदन योजना के फार्म प्रशासन ने किए जप्त

कोरबा। भाजपा ने अपने घोषणापत्र में विवाहित महिलाओं को 12 हजार रूपए वार्षिक का प्रत्यक्ष लाभ देना शामिल किया है। इसे प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना का नाम दिया गया है। विधानसभा चुनाव के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में इसके फार्म महिलाओं से भराये जा रहे हैं। शिकायत पर निर्वाचन आयोग की सर्विलांस टीम ने कोरबा विधानसभा क्षेत्र में कई स्थान पर छापा मारकर बड़ी संख्या में भरे और खाली फॉर्म को जब्त किया है। शनिवार को शहर के कई वार्डों में महतारी वंदन योजना का फॉर्म महिलाओं से भरवाया जा रहा था। इसकी शिकायत निर्वाचन आयोग को मिली। आयोग की सर्विलांस टीम हरकत में आई। ढोढ़ीपारा, दर्री नगोईखार, रिस्दी और ट्रांसपोर्ट नगर सहित कई इलाके में छापामार कार्रवाई की। बड़ी संख्या में महतारी वंदन योजना के फॉर्म को जब्त किया। कुछ फॉर्म भरे गए थे। साथ में महिलाओं का आधार कार्ड भी अटैच किया गया था। सर्विलांस टीम को देखकर कई जगह पर कार्यकर्ता फार्म छोड़कर इधर- उधर हो गए। सर्विलांस टीम की ओर से बताया गया कि नगोईखार में एक नेता के घर आयोग की टीम पहुंची। टीम ने घर से बड़ी संख्या में महतारी वंदन योजना के फॉर्म को जब्त किया। आयोग ने रिस्दी, ढोढ़ीपारा और भैंसखटाल इलाके में भी दबिश दी। सर्विलांस टीम के एक अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए आर्दश आचार संहिता लागू है। राजनीतिक दलों को ऐसा कार्य करने की मनाही है, जिससे मतदाता प्रभावित होता हो। सर्विलांस टीम की ओर से बताया गया कि आयोग की ओर से जब्त किए फॉर्म की जानकारी कोरबा विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) को दी जाएगी।

नेहा चन्द्राकर महिलाओं को कांग्रेस के पक्ष में वोट करने कर रही अपील

भिलाई नगर

वैशाली नगर विधान सभा के कांग्रेस के उम्मीदवार मुकेश चन्द्राकर के पक्ष में चुनावी प्रचार में उनकी पत्नी नेहा चन्द्राकर ने वार्ड क्रमांक 11 फरीद नगर वार्ड 10 ,इस्लाम नगर ,लक्ष्मी नगर सुपेला ,दुर्गा पारा में चुनाव प्रचार किया उन्होंने जनता से अपीन किया कि विकास के लिए कांग्रेस को वोट करने अपील किया । चुनाव प्रचार में उनके साथ दुर्ग जिला के विधि प्रकोष्ठ के वकीलों ने मुस्लिम बहुल क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी को वोट देने की अपील किया जिसमे प्रमुख रूप से शकील अहमद सिद्दीकी,जमील अहमद ,जुबेदा बेगम सहित दुर्ग जिला के वकील कांग्रेस के इस्लाम खान ,परवेज़ खान , मोनू सिंह, जानिसार अख्तर, ,छोटू भाई शाहिद खान ,ब्लाक महामंत्री ईस्माइल खान ने प्रचार में शामिल होकर घर घर लोगो को प्रचार सामग्रियों का वितरण कर कांग्रेस को वोट देने अपील किया । इस्लाम नगर सुपेला में चुनाव प्रचार में पूर्व दुर्ग के सांसद प्रत्यासी प्रतिमा चन्द्राकर ने फरीद नगर के नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने महिलाओ को दीपावली त्यौहार के दिन गृह लक्ष्मी योजना मे अन्तर्गत सौगात देते हुए 15000 हजार रुपये साल में देने की घोषणा कर राज्य की महिलाओ को सम्मान देकर उन्हें आर्थिक रूप से सक्षम बनाने का कार्य किया है । उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश चन्द्राकर को पंजा छाप में मोहर लगाकर विजय बनाने की अपील किया है । कांग्रेस के चुनाव प्रचार में वार्ड केनगरिको केसाथ कांग्रेस जन शामिल हुए । उक्त जानकारी ईस्माइल खान ने दी ।

प्रेक्षक श्री कृष्णा की मौजूदगी में माइक्रो ऑब्जर्वर का हुआ द्वितीय प्रशिक्षण

बेमेतरा

विधानसभा निर्वाचन के तहत जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र साजा 68, बेमेतरा 69 एवं नवागढ़ 79 में माइक्रो ऑब्जर्वर की नियुक्ति की गई है। तीनों विधानसभा क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक श्री अभिशेक कृष्णा की उपस्थिति में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वक निर्वाचन कराये जाने के उद्देश्य से चिन्हित मतदान केंद्रों पर तैनात किये गये माइक्रो ऑब्जर्वर को उनके दायित्वों एवं कर्तव्यों की जानकारी प्रदान करने के लिए द्वितीय चरण का प्रशिक्षण आज जिला कार्यालय के दिशा सभाकक्ष में दिया गया। बैठक मे जिला पंचायत सीईओ लीना कमलेश मंडावी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी उमाशंकर बंदे, तीनो विधानसभा क्षेत्र के आरओ सहित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे 7 प्रशिक्षण में प्रेक्षक ने कहा कि निर्वाचन की शुचिता, निष्पक्षता, गुणवत्ता व समयबद्धता को सुनिश्चित करने के लिए माइक्रो ऑब्जर्वर की तैनाती की गयी है, उन्होंने

माइक्रो आब्जर्वर्स की भूमिका और दायित्वों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने इस दौरान उनकी शंकाओं का भी समाधान किया। प्रेक्षक ने कहा कि माइक्रो आब्जर्वर मतदान दल का सदस्य नहीं होता है। वह मतदान दलों के कार्यों का बारीकी से निरीक्षण करने के लिए नियुक्त किया जाता है। इसलिए माइक्रो आब्जर्वर को मतदान प्रक्रिया की संपूर्ण जानकारी होनी चाहिए। वे सीधे प्रेक्षक को मतदान से संबंधित फीडबैक देंगे। प्रेक्षक ने प्रशिक्षण सत्र में कहा कि चुनाव प्रक्रिया को बेहतर तरीके से क्रियान्वयन करने के लिए यह आवश्यक है कि सभी को अपने दायित्वों की जानकारी हो । यदि चुनाव के दौरान कोई प्रक्रिया आपको सही नहीं लगती है तो इसकी सूचना तत्काल दी जाए। उन्होंने कहा कि ये माइक्रो आब्जर्वर को ये सुनिश्चित करना होगा की किसी भी विधानसभा में दोबारा वोटिंग की स्थिति न बने। प्रशिक्षण में ईवीएम एवं वोटिंग कम्पार्टमेंट की सुरक्षा और गोपनीयता की ओर विशेष ध्यान देने कहा। प्रशिक्षण में ये बताया गया कि माइक्रो आब्जर्वर पोलिंग पार्टी के साथ ही मतदान केंद्रों तक पहुंचेंगे और शाम को आब्जर्वर या उनके प्रतिनिधियों को रिपोर्ट सौंपेंगे ।

प्रेक्षक ने कहा कि आयोग ने माइक्रो आब्जर्वर को इसलिए नियुक्त किया है कि कोई भी समस्या उत्पन्न होने पर आपकी रिपोर्ट से स्थानीय कर्मचारियों की रिपोर्ट को क्रॉस चेक किया जा सके। उन्होंने सुझाव दिया कि माइक्रो ऑब्जर्वर रिपोर्ट के किसी भी कॉलम को खाली नहीं छोड़ेंगे। प्रेक्षक ने बताया कि माइक्रोऑब्जर्वर पोलिंग पार्टी का अंग न होकर प्रेक्षक के प्रतिनिधि के तौर पर मतदान केंद्र पर उपस्थित रहकर सभी प्रक्रियाओं को वाच करेंगे और उसकी टाइमिंग को अपने प्रपत्र पर भरते रहेंगे। उन्होंने बताया कि माइक्रो ऑब्जर्वर को मॉकपोल अपने सामने संपन्न कराना है। मतदान कब शुरू हुआ और अंतिम मतदाता ने किस समय अपना वोट डाला, अपरान्ह तीन, चार व पांच बजे मतदान केंद्र पर कितने लोग लाइन में लगे हुए थे, जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट कब-कब मतदान केंद्र पर भ्रमण के लिए पहुंचे, पोलिंग एजेंट को पीठासीन अधिकारी द्वारा बैलेट व कंट्रोल यूनिट का नंबर दिया गया अथवा नहीं, मतदान अधिकारी प्रथम, द्वितीय व तृतीय सही प्रकार से अपना कार्य कर रहे हैं या नहीं, वोटिंग कंपार्टमेंट इस तरह से बनाया गया है कि वो पोलिंग पार्टी मतदान केंद्र से कब रवाना हुईं आदि से सूचनाओं को आयोग द्वारा दिये गये प्रपत्र पर भरना होगा।

बैठक में मास्टर ट्रेनर श्री झा ने सभी माइक्रो ऑब्जर्वर को पी.पी.टी के माध्यम से माइक्रो ऑब्जर्वर के कार्य एवं उत्तरदायित्वों को विस्तार से बताया गया। माइक्रो ऑब्जर्वर की नियुक्ति क्रिटिकल मतदान केन्द्रों में लगाई जाती है। ये सामान्य प्रेक्षक के प्रतिनिधि के रूप में मतदान दिवस के दिन मतदान केन्द्र में उपस्थित होकर मतदान प्रक्रिया का पर्यवेक्षण कार्य करते हैं 7 मास्टर ट्रेनर ने बताया की समय 90 मिनट पूर्व सम्पन्न होने वाली मॉक पोल प्रक्रिया की निगरानी करना, मॉक पोल करने के बाद उसके डाटा को क्लीयर बटन दबाकर हटाने के कार्य का निगरानी, व्ही. व्ही. पेट के ड्रॉप बॉक्स के मॉक पोल की पेपर पर्चियों को निकालकर काले रंग के लिफाफे में सील बंद करने की कार्य की निगरानी, मतदाताओं के मतदान कक्ष में आने और जाने की व्यवस्था देखना, मतदाता रजिस्टर प्रारूप 17 की प्रवीष्टियों देखना, मतदान मशीन सीलिंग प्रक्रिया की निगरानी, मॉक पोल प्रमाण पत्र तैयार करने के कार्य में निगरानी आदि की जानकारी दी 7

विधानसभा चुनाव 17 को, शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव कराने अपीलः पुलिस अधीक्षक

कोरबा

आप सभी ने बस्तर में विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया है। कोरबा की स्थिति बस्तर से विपरीत है। यहां के लोग बेहद ही भोले भाले व शांतिप्रिय हैं। यहां की फिज़ा बेहतर है, जिसका आप सभी को एक अलग ही अहसास होगा। हमे एक दूसरे से सामंजस्य के साथ विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना है। उक्त बातें जिले के पुलिस कप्तान जितेंद्र शुक्ला ने राजीव गांधी ऑडीटोरियम में आयोजित प्रशिक्षण सत्र में बीएसएफ और यूपी एसएफ के अफसरों को संबोधित करते हुए कही। दरअसल प्रदेश में विधानसभा के लिए दूसरे चरण का मतदान 17 नवंबर को कराया जाना है। जिसमें जिले के कोरबा, रामपुर, कटघोरा व पाली तानाखार भी शामिल हैं। इन चारों विधानसभा में मतदान के लिए 1080 बूथ बनाए गए हैं, जहां 9 लाख 18 हजार 358 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। लोकतंत्र के महापर्व में मतदाता बिना डर व भय के हिस्सा ले सकें। विधानसभा चुनाव को पारदर्शिता के साथ शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई जा सके। इसके लिए जिला पुलिस अधीक्षक श्री शुक्ला ने सशस्त्र जवानों के 40 कंपनी की मांग की थी। मुख्यालय से 32 कंपनी आबंटित किए गए हैं। इनमें बीएसएफके 16 और उत्तर प्रदेश सशस्त्र बल की 16 कंपनी 32 सौ अधिकारी व जवान शामिल हैं, जो कोरबा पहुंच चुके हैं। उन्हें अलग अलग स्थानों में ठहराया गया है। इन अधिकारी व जवानो की तैनाती चारों विधानसभा के मतदान केंद्रों में की जाएगी। इस दौरान जानकारी के अभाव में किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो, इसके लिए प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया था। इस प्रशिक्षण सत्र में बीएसएफ व यूपी एसएफ के अधिकारी शामिल थे। जिन्हें जिला कप्तान श्री शुक्ला ने जिले के चारों विधानसभा की भौगोलिक स्थिति की जानकारी दी। उन्हें बताया कि अधिकांश इलाके ग्रामीण व वनांचल क्षेत्र हैं, जहां के रहवासी शांतिप्रिय हैं। 16 नंवबर को मतदान दल के साथ सुरक्षा बल की टीम रवाना होगी। वे मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद टीम के साथ स्ट्रांग रूम पहुंचेगे, जहां इवीएम को जमा कराया जाएगा। इस बीच चार पांच दिन पुलिस के साथ अलग अलग क्षेत्र में फ्लैग मार्च करेंगे, ताकि मतदाताओं को सुरक्षित होने का अहसास कराया जा सके। इस प्रशिक्षण सत्र में प्रमुख रूप से एएसपी अभिषेक वर्मा, सीएसपी द्वय भूषण एक्का, रॉबिंसन गुड़िया, रक्षित निरीक्षक अनथ राम पैकरा, नगर कोतवाल रूपक शर्मा, सिविल लाइन थाना प्रभारी मृत्युंजय पांडेय, मानिकपुर चैकी प्रभारी प्रेमचंद साहू, सीएसईबी प्रभारी नवीन पटेल सहित अन्य अधिकारी व जवान उपस्थित थे।

फ्लाइंग स्क्वाड के साथ एनफोर्समेंट एजेंसीज को अलर्ट मोड पर रहने के दिए निर्देश

रायगढ़

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आगामी 17 नवंबर को होने वाले विधानसभा निर्वाचन प्रक्रिया के मद्देनजर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कार्तिकेया गोयल ने जिले के सभी सर्विलांस टीम एवं एनफोर्समेंट एजेंसीज को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री गोयल ने सभी एजेंसियों के नोडल अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि आगामी दिनों में मतदान प्रक्रिया होगी, लिहाजा मतदान प्रक्रिया को प्रभावित करने तथा मतदाताओं को लुभाने अवैध तरीके से फ्रीबीज, शराब, नकद राशि व प्रलोभन दिए जाने वाली वस्तु/सामग्रीं का परिवहन किया जा सकता हैं। जिसे रोकने के लिए सभी को अलर्ट मोड पर कार्य करना हैं, ताकि जिले में निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से निर्वाचन कार्य संपन्न हो सकें।

कलेक्टर श्री गोयल ने स्थैतिक निगरानी दलों को निर्देशित करते हुए कहा कि टीम आगामी निर्वाचन प्रक्रिया तक विशेष रूप से अलर्ट रहे। इसके साथ ही एक जगह पर न रहते हुए लोकेशन चेंज करते रहें। उन्होंने टीम को कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष होकर कार्य करें, टीम में सहयोग व सुरक्षा हेतु केंद्रीय सुरक्षा बलों के सदस्य भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने प्रचार सामग्री/पंपलेट में प्रकाशक के नाम, पता और मुद्रण संख्या मुद्रित नही पाए जाने पर जब्ती करते हुए समुचित वैधानिक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए हैं। इसी प्रकार मतदाताओं को लुभाने अवैध तरीके से फ्रीबीज, शराब, नकद राशि वितरण या किसी प्रकार का प्रलोभन में दी जाने वाली वस्तु/सामग्रीं चेक पोस्ट में पाया जाए तो तत्परतापूर्वक वैधानिक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। उन्होंने स्थैतिक निगरानी दल को निर्देशित किया कि सभी वाहनों की सघनता से जांच सुनिश्चित करें।

फर्जी पर्ची बांटने के मामले में भाजपा प्रत्याशी को नोटिस जारी

भिलाईनगर। विधानसभा निर्वाचन के प्रभावशील आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के कारण सी विजील में प्राप्त शिकायत के बाद विधानसभा क्रमांक 65 के रिटर्निंग ऑफिसर रोहित व्यास ने मिथ्या पंपलेट वितरण किया जाने पर भारतीय जनता पार्टी भिलाई के जिला अध्यक्ष एवं पार्टी के अभ्यर्थी को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। 11 नवंबर को निर्वाचन कार्यालय के ऑनलाइन शिकायत सी- विजील में शिकायत प्राप्त हुआ की सेक्टर 2 सड़क 15 भिलाई में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी प्रेम प्रकाश पांडे व पूर्व पार्षद के कार्यकर्ताओं के द्वारा घर-घर जाकर मिथ्या पंपलेट वितरण किया जा रहा है। कि उसे भरने पर एक हजार रूपये दिए जाएंगे। जो निर्वाचन आचार संहिता का उल्लंघन है विधानसभा क्षेत्र 65 भिलाई नगर के रिटर्निंग ऑफिसर श्री व्यास ने प्राप्त शिकायत के आधार पर भारतीय जनता पार्टी भिलाई के जिला अध्यक्ष एवं अभ्यर्थी को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा है। अन्यथा की स्थिति में लोक प्रतिनिधि अधिनियम 1951 की धारा 123 (2) के तहत नियमानुसार कार्यवाही किए जाने की सूचना दी गई है।

पीस ऑडिटोरियम में उमंग उत्साह के साथ मनाया गया दीपावली पर्व

दुर्ग। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में दीपों के पर्व महापर्व दीपावली को उमंग उत्साह एवम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रातः राजयोग सत्र के पश्चात भिलाई सेवा केंद्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने सभी को दीपावली पर की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी अप्राप्ति का कारण इच्छाएं है, मनुष्य आत्माओं से उम्मीद रखना अर्थात परेशान होना। मेरी प्रसन्नता प्रशंसा के आधार पर नहीं होनी चाहिए, जहां अभिमान है वहां प्रसन्नता हो नहीं सकती। जीवन में चीयरफुल अर्थात प्रसन्न - आनंदित तथा केयरफुल सावधान रहे। दीपावली में विशेष घर की कोने-कोने की सफाई कर मां लक्ष्मी जी का आह्वान करते हैं, हमें मन के कोने कोने में भी ईर्ष्या द्वेष रूपी अवगुणों की सफाई कर दिव्य गुणों का आह्वान करना है। शुभकामनाओं,शुभभावनाओ से भरपूर सदा संपन्न, सर्व प्रति स्वरूप बन महालक्ष्मी सामान सर्व की झोलियों को भरना है। इस अवसर पर डिवाइन ग्रुप के बच्चों ने छत्तीसगढ़ी पारंपरिक गीत दिया जले जगमग, आयो रे शुभ दिन आयो रे, आई दिवाली हैप्पी दिवाली जैसे गीतों पर नृत्य प्रस्तुत कर सभी में खुशी,प्रसन्नता उमंग उत्साह का समा बांधकर आनंद से भरपूर कर दिया। परमात्मा को भोग स्वीकार कराने के पश्चात भिलाई की सभी ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा संगठित रूप से दीप प्रज्वलन किया गया। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्राची दीदी, स्नेहा दीदी ने भी अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

प्रेक्षक अंजू चौधरी ने राजिम विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केन्द्रों और जांच नाका का किया औचक निरीक्षण

गरियाबंद। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जिले में विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए जिले के दोनों विधानसभाओं के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक अंजू चौधरी ने आज राजिम विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों और जांच नाका का निरीक्षण किया। उन्होंने फिंगेश्वर,कोमा और जामगाँव के मतदान केंद्रों में पहुकर मतदान के लिए विकसित की गई सुविधाओं का जायजा लिया। साथ ही जामगांव में बनाए गए चेकपोस्ट में स्थैतिक निगरानी दल द्वारा वाहनों की किए जा रहे चेकिंग का भी अवलोकन किया। प्रेक्षक सुश्री चौधरी ने सक्रियता के साथ वाहनों की चेकिंग कर अवैध सामग्रियों के परिवहन पर रोक लगाने और आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।इस दौरान प्रेक्षक ने कहा कि मतदान केंद्रों में सभी सुविधाएं जैसे बिजली, पानी,शौचालय आदि क्रियाशील रहे,जिससे मतदाताओं को मतदान करने में सहूलियत हो। इस दौरान रिटर्निंग ऑफिसर एवं एसडीएम राजिम श्री धनंजय नेताम सहित बूथ लेवल अधिकारीगण मौजूद रहे। प्रेक्षक सुश्री अंजू चौधरी ने राजिम क्षेत्र के मतदान केंद्रों में पहुंचकर सफलतापूर्वक मतदान संपन्न कराने के लिए मतदान केंद्रों में सुनिश्चित की गई आवश्यक व्यवस्थाओं जैसे रैम्प, लाईट, पेयजल एवं शौचालय सहित अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने मतदान केन्द्रों में मतदाताओं की जानकारी हेतु किये गये दीवाल लेखन, दिव्यांग मतदाताओं हेतु बनाये गये रैम्प तथा मतदान केन्द्रों में उपलब्ध अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया और मतदान केन्द्रों में आवश्यकतानुसार सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान प्रेक्षक सुश्री चौधरी ने संबंधित बूथ लेवल अधिकारी से मतदाताओं की जानकारी लेकर सभी मतदाताओं को जागरूक कर शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही मतदान केंद्र का अवलोकन करने के साथ ही ग्रामीणों से मिलकर उन्हें चुनाव के दिन 17 नवंबर को अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए प्रेरित भी किया।

निगम क्षेत्र की गुमटियों का करेंगे स्थायी आबंटनः लखन देवांगन

कोरबा। नगर पालिक निगम क्षेत्र कोरबा व उपनगरीय क्षेत्र दर्री, जमनीपाली, कुसमुंडा, बांकीमोंगरा व निहारिका क्षेत्र में छोटे-छोटे दुकान लगाकर गुमटियां व शेड लगा दुकानदारी कर जीविकोपार्जन कर रहे गुमटियों को स्थायी आबंटन करने की योजना पर भाजपा कार्य करेगी और सड़क व आसपास बसे फुटपाथ के छोटे व्यापारियों को व्यवस्थित व्यापार करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। भाजपा प्रत्याशी व कोरबा के पूर्व महापौर लखनलाल देवांगन ने कहा कि कोरबा नगर निगम में 10 साल से कांग्रेस के महापौर है। लेकिन निगम क्षेत्र के गुमटियों को स्थायी करने व ठेला क्रमांक आबंटित करने की दिशा में किसी भी प्रकार का ठोस कार्य नहीं किया गया है। बल्कि चुनिंदा लोगों को चेहरा देख-देख कर लाभ दिया गया है। पूर्व महापौर लखनलाल देवांगन ने कहा कि निगम क्षेत्र के सभी गुमटियों को स्थायी आबंटन के साथ-साथ ठेला व दुकान क्रमांक का बैच देकर बसाने की योजना पर कार्य किया जाएगा। पूर्व महापौर लखनलाल देवांगन ने कहा कि किसी भी शहर के व्यापार के लिए पार्किंग के साथ-साथ छोटे व्यापारियों को भी व्यवस्थित रूप से व्यापार करने का पूरा हक हैं। इसके लिए नगर निगम व स्थानीय प्रशासन को प्रयास करना चाहिए जो कि बीते 10 वर्षों में कांग्रेस के महापौर रहने के बाद भी नहीं किया जा सका है।

महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिवर्ष सभी विवाहित महिलाओं को 12000 रुपये देने की घोषणाः भाजपा

कोरबा। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल वार्ड क्रमांक 34 लालघाट पहुँचे, उन्होंने वहां घर.घर लोगो से संपर्क किया साथ ही नुक्कड़ सभा कर जनता को भाजपा के घोषणा पत्र की विस्तृत जानकारी दी । नेता प्रतिपक्ष हितानंद अग्रवाल ने कहा कि मोदी जी ने छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिवर्ष सभी विवाहित महिलाओं को 12000 रुपये देने की घोषणा की है, मोदी की गैरंटी से भूपेश बघेल पूरी तरह परेशान हो गए है जिसके कारण भूपेश बघेल ने आनन फानन में महिलाओ को झूठा वादा कर रहे है लेकिन इस बार मातृशक्ति भूपेश के झूठे वादे में नही आने वाली है, पिछले चुनाव में भी भूपेश ने महिलाओं को 500 रुपये प्रतिमाह देने की घोषणा की थी जो सिर्फ कागजों में घोषणा तक ही सिमट गई, इस लबरा भूपेश बघेल को छत्तीसगढ़ की जनता जान चुकी है, चुनाव के समय लोक लुभावने झूठे वादे भूपेश की जनता पहचान चुकी है, गंगा जल को हाथ मे रख कर शराब बंदी का वादा करने वाली भूपेश सरकार की पोल अब जनता के सामने खुल चुकी है,

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक
दैनन्दिनी.

बुधवार 15 नवंबर 2023 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

धूमधाम से हुआ गौरा गौरी का विसर्जन, झूमते रहे भक्तजन

नवापारा-राजिम (दैनंदिनी)। नवापारा सहित अंचल मे लक्ष्मी पूजा के दूसरे तीसरे दिन दो दिनों तक गौरा गौरी का विसर्जन हुआ. ज्ञात हो कि नगर के अनेको वार्डो मे गौरा गौरी कि स्थापना की गई थी जिसका विसर्जन स्थानीय शीतला तालाब सहित महानदी मे हुआ. विसर्जन के दौरान बड़ी संख्या मे वार्डवासियो की उपस्थिति देखी गई.

लोग डीजे, धुमाल व पारम्परिक गड़वा बाजा की ताल पर भगवान को विसर्जित करने ले जा रहे थे तो भक्तजन भी गौरा गौरी गीतों पर झूमते नजर आये. आगे सिर पर गौरा गौरी को लिए पुरुष चल रहे थे तो पीछे पीछे लड़किया सिर पर कलश लेकर चल रही थी. तिथि व अमावस्या को लेकर असमंजस के बीच लोग दूसरे दिन तक गौरा गौरी का विसर्जन करते दिखे. ज्ञात हो कि दीपावली एक ऐसा त्यौहार है जिसका

अमीर और गरीब के साथ हर किसी को बेसब्री से इंतजार रहता है। धनतेरस से इस त्यौहार का शुभारंभ होकर भाईदूज को समाप्त होता हैं। गोड आदिवासी समाज द्वारा अपने मोहल्ले के गौरी गौरा चौक पर गौरी गौरा स्थापना के पूर्व धनतेरस के दिन विधि विधान से पूजा करके फूल लाया जाता है। उसे गौरी गौरा स्थापना स्थल पर चढ़ाया जाता है जिसे फूल कुचलना कहते हैं। फिर लक्ष्मी पूजा के दिन कुम्हार के घर से यथाशक्ति राशि देकर गौरी गौरा की मूर्ति लाकर स्थापित किया जाता है। सदस्यों द्वारा मोहल्ले में घूम कर घरों से मिट्टी के बने कलश को परघाया जाता है। मोहल्ले वासियों के द्वारा यथाशक्ति तेल और राशि दी जाती हैं। इस प्रकार सदस्यों द्वारा दिए गए परिवार के नाम गौरी गौरा को समर्पित कर देते हैं और गौरी गौरा से उस परिवार के लिए मंगल कामना का आशीर्वाद भी मांगते

हैं। गोवर्धन पूजा के दिन विसर्जन करने के लिए सदस्यों द्वारा गौरी गौरा को महानदी ले जाया जाता है तो रास्ते में श्रद्धालुगण गौरी गौरा का इच्छा अनुसार पूजा अर्चना करते हैं। कई लोग ऐसे भी हैं जो अपने हाथों में घास के बने सोड खाते भी नजर आए। मोहल्ले के सभी लोग नए परिधान से परिपूर्ण होकर धुमाल पार्टी और गढ़वा बाजा की धुन पर नाचते गाते गौरी गौरा को विसर्जित करने त्रिवेणी संगम में पहुंचकर विसर्जित करते हैं ।इस समय गौरी गौरा की स्थापना करने वाले सदस्यों की आंखों में नमी देखने को मिला।

मामूली बात को लेकर युवक पर हमला

नवापारा राजिम (दैनंदिनी)। स्थानीय नवापारा थाना अंतर्गत दिपावली के दिन मामूली बात पर धारदार चाकू से मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। थाने से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी संतोष निर्मलकर नगर के बागदेही पारा नवापारा का निवासी है। जो जीवन यापन के लिए कपडा प्रेस का काम करता हैं ।कि दिनांक 13.11.2023 के रात्रि करीबन 09 बजे वह अपने घर में था कि मोहल्ले का बल्लू यादव के द्वारा मेरे घर आकर बताया गया कि रात्रि करीबन 08.45 बजे आपके छोटे भाई दीपक निर्मलकर को अचानक आवेश में आकर मोहल्ले का गौरव विश्वकर्मा द्वारा मां बहन की अश्लील गंदी गंदी गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देकर अपने पास में रखे धारदार चाकू से वार कर सिर में गंभीर चोंट पहुंचाया है।जिससे दीपक निर्मलकर के सिर में काफी खुन बह रहा है, जिसे देखकर मेरे द्वारा स्वयं के मोसा.से सीएचसी सरकारी अस्पताल नवापारा ईलाज हेतु भर्ती कराया बाद में परिवारजन को हालात से अवगत कराया जो थाना में रिपोर्ट दर्ज कराने का सलाह दिये घटना को मोहल्ला के डिगेश बघेल व लोकेश निर्मलकर एवं लाला पात्रे देखे सुने है रिपोर्ट करता हूं। उक्त मामले में प्रार्थी की रिपोर्ट पर गोबरा नवापारा पर पुलिस ने आरोपी युवक गौरव विश्वकर्मा पिता स्व.नोहर विश्वकर्मा के विरुद्ध आईपीसी की धारा 294 ,323, 506 मारपीट, गाली गलौच, जान से मारने की धमकी देने के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया गया है।

आचार संहिता का उल्लंघन कर ढोयी जा रही शराब : केदार गुप्ता
राज्य के पुलिस प्रमुख को तत्काल हटाए निर्वाचन आयोग

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी चुनाव निर्वाचन आयोग संपर्क समिति के संयोजक डॉ. विजय शंकर मिश्रा एवं प्रदेश भाजपा प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से शिकायत करते हुए आयुक्त आबकारी विभाग (विशेष सचिव स्वतंत्र प्रभार) तथा प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कारपोरेशन को हटाते हुए उनके स्थान पर छत्तीसगढ़ में निष्पक्ष विधानसभा चुनाव पूर्ण होने तक भारत सरकार या अन्य राज्य के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी की पद स्थापना करने की मांग की है।

भाजपा नेता केदार गुप्ता एवं विजय शंकर मिश्रा ने शिकायत में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन की शराब दुकानों में वैधानिक शराब बिक्री को रोकने हेतु सभी शराब दुकानों में सीसीटीवी तथा ट्रैक एंड ट्रैक सिस्टम लगाया गया था। किंतु दुकान का सीसीटीवी तथा ट्रैक एंड ट्रैक सिस्टम खराब है। इन्हें ठीक कर चालू नहीं किया जा रहा है। शराब दुकानों से अवैध शराब दुकान के सेल्समैन के द्वारा शराब बेची जा रही है जो कि छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में उपयोग की जा रही है। इस प्रकार की गलत बिक्री को उपर्युक्त अधिकारी नहीं रोक पा रहे हैं और शराब दुकान का चुनाव में दुरुपयोग सरे आम हो रहा है। पूर्व में आयुक्त आबकारी विभाग (विशेष सचिव स्वतंत्र प्रभार) तथा प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन में पदस्थ वरिष्ठ अधिकारी पर भ्रष्टाचार के मामले में प्रवर्तन निदेशालय में अपराध पंजीबद्ध हुआ तथा कुछ आरोपी जेल में हैं। पूर्व में हुई परिवर्तन निदेशालय की जांच में छत्तीसगढ़ राज्य में भ्रष्टाचार को सत्यापित करती है तथा शराब भ्रष्टाचार का मामला वर्तमान में न्यायालय में है। भाजपा नेताओं ने निर्वाचन आयोग से मांग की है कि चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए जिस तरह से शराब का परिवहन एक दुकान से दूसरी दुकान के लिए हो रहा है, वह काफी गंभीर मामला है। छत्तीसगढ़ में हुए शराब घोटाले को देखते हुए पूरी आशंका है कि सरकार के दबाव में शराब दुकानों से शराब का अवैध परिवहन हो रहा है। इनके परमिट रोके जाने चाहिए।

भाजपा नेता केदार गुप्ता एवं विजय शंकर मिश्रा ने राज्य के पुलिस महानिदेशक को भी बदले जाने की मांग निर्वाचन आयोग से की है। शिकायत में कहा गया है कि राज्य के पुलिस प्रमुख सरकार से उपकृत हैं इसलिए अवैध गतिविधियों को रोकने की उनसे अपेक्षा करना व्यर्थ है। उन्हें तत्काल प्रभाव से राज्य के पुलिस प्रमुख के दायित्व से मुक्त किया जाए।

राज्यपाल को मतदाता सूचना पर्ची तथा मतदाता मार्गदर्शिका प्रदान किया गया

रायपुर। राज्यपाल श्री हरिचंदन को रिटर्निंग अधिकारी श्री बी.बी.पंचभाई ने आज राज भवन में मतदाता सूचना पर्ची तथा मतदाता मार्गदर्शिका प्रदान की । इसके श्री पंचभाई ने पूर्व मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले को भी यह प्रदान किया।

दैनिक दैनन्दिनी. DNX

Rate Card

SIZE - 20x11 sqft
Digital Outdoor Advertisement
Led sales & Services
Call- 9630054047, 7000646420, 8435751548

Timing: 10am to 10pm.
Screen Size: 6 x 7.6 ft.

Ad Duration & Daily Impressions	1 Month	3 Months	6 Months 20% off	1 Year 35% Off
20 second / 100 Daily	₹ 20,000/-	₹ 50,000/-	₹ 80,000/-	₹ 130,000/-
30 second / 100 Daily	₹25,000/-	₹ 60,000/-	₹ 98,000/-	₹ 156,000/-
45 second / 100 Daily	₹ 36,000/-	₹ 90,000/-	₹ 144,000/-	₹ 234,000/-
60 second / 100 Daily	₹45,000/-	₹ 120,000/-	₹ 192,000/-	₹ 312,000/-

Poster Ad.

Ad Duration & Daily Impressions	1 Day	3 Day	1 Week	15 Days
20 second / 150 Daily	₹ 10,000/-	₹ 20,000/-	₹ 35 000/-	60,000/-
30 second / 150 Daily	₹12500/-	₹ 25 000/-	₹45000/-	75,000/-
45 second / 150 Daily	₹ 17500/-	₹ 35 000/-	₹60000/-	90,000/-

Location:
R.S. TOWER
LAVKUSH FURNITURE
Near by:- OVERBRIGE,
RAIPURA CHOWK, RAIPUR (C.G.)

Contact-
9630054047
7000646420
8435751548

Location (2):
SHAHEED BHAGAT
SINGH CHOWK
G.E.ROAD RAIPUR (C.G.)

State office:
Aashirvad
C-255, Rohinipuram
RAIPUR (C.G.)

अमृत वचन

दुनिया में सबसे सफल इंसान वही है, जिसे टूटे को बनाना और रूठे को मनाना आता है।

संपादकीय

नेताओं के साथ न्याय

सांसदों, विधायकों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों को शीघ्र निपटाने के लिए देश के सर्वोच्च न्यायालय का नया निर्देश सुखद और स्वागतयोग्य है। न्यायालय ने उच्च न्यायालयों को सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामलों की निगरानी के लिए विशेष पीठ गठित करने का निर्देश भी दिया है। अदालतों से कहा गया है कि दुर्लभ और बाध्यकारी कारणों को छोड़कर ऐसे मुकदमों की कार्यवाही कतई स्थगित न करें। न्यायालय का यह निर्देश उच्च न्यायालयों, जिला न्यायालयों व विशेष न्यायालयों के लिए आया है। इन्हीं अदालतों में जन-प्रतिनिधियों के मामलों की सुनवाई होती है और यह बहुत दुखद है कि सुनवाई पूरी होने में वर्षों लग जाते हैं। भ्रष्टाचार या अपराध करने वाले प्रतिनिधि भी सुस्त अदालती कार्यवाही के चलते बार-बार चुनाव जीतते रहते हैं और सदनों में आते रहते हैं। ऐसा लगता है, ज्यादातर न्यायमूर्ति आमतौर पर नेताओं के खिलाफ चलने वाले मामलों को अधिक महत्व नहीं देते हैं। ऐसे में, उनके खिलाफ चलने वाले गंभीर मामलों की चर्चा समाज में जरूरत से कम होती है। अगर अदालतें उच्च स्तर पर अपराध के खिलाफ पूरी तरह सजग रहें, तो राजनीति का दामन निश्चित रूप से ज्यादा स्वच्छ हो सकेगा।

देश के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ द्वारा जारी निर्देश की रोशनी में पूरी न्यायपालिका बिरादरी को सक्रिय हो जाना चाहिए। नेताओं के खिलाफ शिकायत करने वालों की पीड़ा को समझना जरूरी है। सुनवाई में ज्यादा समय लगता है, तो शिकायत करने वाले को ज्यादा भय व तकलीफ से गुजरना पड़ता है। अनेक मामलों में इतनी देरी हो जाती है कि सुनवाई और फैसले का कोई अर्थ ही नहीं रह जाता है। अनेक मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप के अभाव में शिकायत की फाइलें भी आलमारियों में खो जाती हैं। अगर न्यायाधीश सांसदों और विधायकों के मामलों का स्वत- संज्ञान लेने लगेंगे, तो वाकई देश में न्याय वितरण में यथोचित तेजी आएगी। ऐसे मामलों को न्यायालयों की वेबसाइट पर भी अलग से रेखांकित किया जाएगा, जिससे पता चलेगा कि किसके खिलाफ किस मामले में कब मुकदमा दर्ज हुआ और सुनवाई की क्या स्थिति है। सुनवाई में क्यों समय लग रहा है, स्पष्ट होना चाहिए। किसी मामले में अनावश्यक रूप से देरी हो रही है, तो लोगों को इसका भी पता चलना चाहिए।

गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय के ये निर्देश एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान सामने आए हैं। 14 नवंबर, 2022 की एमिकस क्यूरी की नवीनतम रिपोर्टों में से एक के मुताबिक, वर्तमान व पूर्व सांसदों-विधायकों के खिलाफ 5,175 मामले दर्ज हैं और इनमें से 2,116 आपराधिक मामले पांच साल से अधिक समय से लंबित हैं। यह बताने की जरूरत नहीं कि नेताओं के खिलाफ मामले घटने के बजाय बढ़ते चले जा रहे हैं। यह कानून के प्रति भय का अभाव है या सेवा में ईमानदारी का टोटा, स्वयं नेताओं को यह जरूर सोचना चाहिए। अंतत: राजनीति में अपराध में होने वाली वृद्धि स्वयं नेताओं पर सर्वाधिक भारी पड़ने वाली है। बुनियादी रूप से गांव या कस्बों में जिस तरह की राजनीति होती है, उसी के लक्षण प्रदेश या देश स्तरीय राजनीति में उभरते हैं। मतलब, राजनीतिक सुधार के लिए बिल्कुल जमीनी स्तर पर रोकथाम और त्वरित न्याय के उपाय करने पड़ेंगे, ताकि कोई दागदार नेता कभी विधानसभा या संसद में न रहे।

सेहत

यूरिक एसिड

खराब खानपान के कारण यूरिक एसिड की समस्या का सामना करना पड़ता है। शरीर में यूरिक एसिड का लेवल तब बढ़ता है जब किडनी इसे फिल्टर करने में विफल रहती है। आमतौर पर किडनी का काम यूरिक एसिड को फिल्टर करके यूरीन के जरिए शरीर से बाहर निकाल देना है। जब शरीर में यूरिक एसिड काफी मात्रा में बनने लगता है और किडनी इसे फिल्टर नहीं कर पाती है तब ब्लड में यूरिक एसिड का स्तर बढ़ जाता है।

हालांकि, कम जानकारी के चलते काफी लोग इसके लक्षणों को अनदेखा कर देते हैं। ऐसे में बढ़ा हुआ यूरिक एसिड कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं जैसे गाउट, जोड़ों में दर्द और गठिया की समस्या का सामान करना पड़ता है। समय रहते यूरिक एसिड को कंट्रोल करना बहुत ही जरूरी हैं। इसे कंट्रोल करने के लिए विभिन्न तरह के उपाय अपनाते हैं। रोजाना योग करने के साथ-साथ डाइट में केला शामिल करें। इससे आपका यूरिक एसिड आसानी से कंट्रोल हो जाएगा। जानिए कैसे करें यूरिक एसिड के मरीज केले का सेवन।

केले में थोड़ी मात्रा में प्यूरीन होता है। जिस फूड में पर्याप्त कार्बोहाइड्रेट स्त्रोतों की कमी होती है वह आपके कीटोन यौगिकों के स्तर को बढ़ा सकता है और आपके रक्त में यूरिक एसिड की सांद्रता बढ़ा सकता है। ऐसे में केला काफी फायदेमंद होगा क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है।

विटामिन सी से भरपूर डाइट लेने वाले पुरुषों में उम्र बढ़ने के साथ गाउट होने की संभावना कम हो सकती है। एक बड़े केले में लगभग 12 मिलीग्राम विटामिन सी होता है और यह प्रति व्यक्ति की दैनिक आवश्यकता का लगभग 13 प्रतिशत और एक महिला का 16 प्रतिशत होता है। इसलिए केला का सेवन करना फायदेमंद होगा। क्योंकि यह यूरिक एसिड के स्तर को काफी कम नहीं करता है बल्कि नॉर्मल रखता है।

मुफ्त की रेवड़ियों से कठघरे में चुनावी राजनीति

- विश्वनाथ सचदेव

हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी ने निश्चय कर लिया है कि अगले पांच साल तक देश के गरीबों को मुफ्त राशन मुहैया करायेंगे। इस निश्चय की घोषणा उन्होंने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की चुनावी सभा में की है! यह 'निश्चय' शब्द उन्हीं का है। उन्होंने स्पष्ट कहा है, 'मैंने निश्चय कर लिया है।' उन्होंने यह नहीं कहा कि यदि वे चुनाव जीत गये। स्पष्ट है वे यह मानकर चल रहे हैं कि पांच राज्यों में ही नहीं, लोकसभा के 2024 के चुनाव में भी वही विजय हासिल करेंगे। ऐसी कोई सूचना कितनी विश्वसनीय है यह तो चुनाव-परिणाम ही बतायेंगे, पर मुफ्त अनाज बांटने की घोषणा करके उन्होंने यह तो बता ही दिया है कि गरीबों को मुफ्त अनाज चुनावी लड़ाई में उनका एक बड़ा हथियार है, जिसे वे कारगर मानते हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि चुनाव अक्सर 'रोटी, कपड़ा और मकान' के नाम पर ही जीते जाते रहे हैं। पिछले एक अर्से से इसमें धर्म और जुड़ गया है, पर भूख निश्चित रूप से सबसे महत्वपूर्ण और गंभीर मुद्दा है। बेरोज़गारी, महंगाई जैसे मुद्दे भी अंतत- भूख से ही जुड़े हुए हैं। ऐसे में यह मानना ग़लत नहीं होगा कि मुफ्त अनाज वाली यह तरकीब काफी कारगर सिद्ध हो सकती है।

वस्तुत: मुफ्त अनाज की शुरुआत देश में कोरोना-काल में हुई थी। सरकारी दावों के अनुसार इस दौरान देश के अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज बांटा गया था। दुनियाभर में भारत सरकार की इस पहल की सराहना हुई थी। देश में भी प्रधानमंत्री मोदी के इस कदम को सराहा गया था। फिर, पिछले दो साल में भी इस अनाज योजना को लागू रखा गया और भाजपा को इसका लाभ भी मिला। प्रधानमंत्री को लग रहा है यह लाभ आगे भी मिलता रहना ज़रूरी हैङ्क इसीलिए अब आगामी पांच साल तक मुफ्त अनाज बांटने की इस योजना को चालू रखने के निश्चय की घोषणा कर दी गयी है।

कोरोना-काल में इस तरह की योजना देश की जनता की आवश्यकता थी। इसमें कोई संदेह नहीं कि तब करोड़ों लोगों के रोज़गार छिन गये थे। बड़ी संख्या में फैक्टरियां, कारखाने, दफ्तर आदि बंद हो गये थे। बीमारी और बेरोज़गारी ने भयावह स्थिति उत्पन्न कर दी। ऐसी स्थिति में अस्सी करोड़ जनता को मुफ्त अनाज देकर सरकार ने एक अभूतपूर्व काम किया था। लेकिन क्या आज भी स्थिति वैसी ही है जैसी तीन साल पहले थी? क्या अब भी फैक्टरियां, कारखाने, दफ्तर बंद हैं? क्या अब भी देश के लोग भूखे सो रहे हैं अथवा उन्हें भूखा सोना पड़ रहा है? यदि ऐसा है तो यह निश्चित रूप से गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। देश के अस्सी करोड़ लोगों की भूख मिटाने के लिए सरकार की 'अनुकंपा' पर निर्भर रहना पड़े, यह चिंता की बात भी है, और शर्म की बात भी। कोरोना-काल एक अपवाद था। उस समय की विवशताओं को समझा जा सकता है। पर ऐसी किसी व्यवस्था का स्थाई बन जाना अपने आप में एक बड़ी समस्या है। देश की जनता को काम मिले, उसकी भूख मिटे, उसे जीवन को बेहतर बनाने के पर्याप्त और उचित अवसर मिलें यह किसी भी सरकार का

बुनियादी कर्तव्य होता है। लेकिन इस सबके लिए सरकार की कृपा की आवश्यकता हो और जनता को कतारों में खड़े होकर हाथ पसारने पड़ें तो इसे एक सोचनीय स्थिति ही कहा जाना चाहिए। सवाल यह भी उठता है कि यदि देश की अर्थ व्यवस्था दसवें से पांचवें स्थान पर पहुंच गयी है, और तीसरे स्थान तक पहुंचाने के दावे किये जा रहे हैं, तो अस्सी करोड़ लोग मुफ्त राशन पर निर्भर क्यों हों?

चुनावी मौसम में आश्वासनों और वादों की उपयोगिता असंदिग्ध है। दावे भी समझ में आते हैं। एक सीमा तक 'रेवड़ियां' बांटना भी समझा जा सकता है। पर अस्सी करोड़ लोगों को भूखा न सोना पड़े और इसके लिए सरकारी कृपा पर आश्रित होना पड़े, यह बात आसानी से समझ नहीं आती। इस स्थिति का सीधा-सा मतलब यह है कि सरकार देश की जनता को उचित जीवन-स्थितियां देने के अपने बुनियादी काम में विफल रही है। इस विफलता के लिए 'पिछली सरकारों' को दोषी ठहराना एक सीमा तक तो समझ में आता है, पर इस विफलता का सारा ठीकरा पहले की सरकारों पर फोड़ना किसी भी दृष्टि से समझ नहीं आता। कोई भी सरकार ऐसी स्थिति के दायित्व से बच नहीं सकती। यह मान भी लिया जाये कि पिछली सरकारों ने अपना कर्तव्य ठीक ढंग से नहीं निभाया था, तब भी मौजूदा सरकार का यह कर्तव्य बनता है कि वह स्थिति को सुधारे। यदि आज सरकार को पांच साल तक मुफ्त अनाज बांटने की घोषणा करनी पड़ रही है तो यह इस बात का ही प्रमाण है कि सरकार की नीतियों में कहीं खोट है या फिर उनका क्रियान्वयन ग़लत है। साठ साल की तुलना में दस साल कम होते हैं, इसमें संदेह नहीं, पर दस साल इतने कम भी नहीं होते कि कोई सरकार समय की कमी को कारण बताकर अपने कर्तव्य से पल्ला झाड़ ले। जनता को पांच साल तक मुफ्त अनाज देने की व्यवस्था को स्वीकार करना एक तरह से अपनी विफलता को ही स्वीकार करना है।

लेकिन सरकार विकास के दावे कर रही है। कृषि के क्षेत्र में, उद्योग के क्षेत्र में, व्यवसाय के क्षेत्र में- सब क्षेत्रों में विकास की बातें हो रही हैं, तो फिर मुफ्त अनाज बांटने की यह विवशता क्यों?

इस प्रश्न का एक उत्तर उस मानसिकता में है जो 'रेवड़ियां बांटने' को चुनावी जीत का एक आधार मानती है। मतदाता को रिझाने के लिए राजनीतिक दल और राजनेता पिछले एक अर्से से मुफ्त सामान बांट रहे हैं। नकद राशि भी बंटती रही है। हर चुनाव में बड़ी मात्रा में काले धन की बरामदगी इस बात का ही उदाहरण है कि वोट मांगे नहीं जा रहे, खरीदे जा रहे हैं। यह वोट खरीदना कुल मिलाकर जनतंत्र के साथ छल ही है। यह सही है कि मतदाता का वोट बेचना भी उतना ही ग़लत है, पर मुफ्त राशन और नकद सहायता जैसे काम हमारी चुनावी-राजनीति को कठघरे में ही खड़ा करते हैं। कुल मिलाकर वोटों की ही यह खरीद-फरोख्त किसी अपराध से कम नहीं। हैरानी तो यह भी है कि चुनावी मौसम में इस सब को जायज मान लिया गया है!

देश की राजनीति के ठेकेदारों को इस सवाल का जवाब तो देना ही होगा कि वोट ख़रीदने में उन्हें शर्म क्यों नहीं आती? मतदाता को भी अपने आप से यह पूछना पड़ेगा कि उसकी विवशता को राजनेता अपना हथियार कैसे बना लेते हैं? सस्ती दरों पर जनता को ज़रूरी सामान मुहैया कराना एक ज़रूरत हो सकती है, पर इस जरूरत को पूरा करने के नाम पर मतदाता को रिश्वत देने की कोशिश करना एक अपराध है। पीड़ा इस बात की ज़्यादा है कि यह सब कुछ खुलेआम हो रहा है— और नेतृत्व के हर स्तर पर हो रहा है!

देश के जागरूक नागरिकों का यह कर्तव्य बनता है कि वह अपने नेताओं से पूछें कि अस्सी करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज बांटने की विवशता जिन ग़लत नीतियों का परिणाम है उन्हें बदलने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं? इन ग़लत नीतियों के ज़िम्मेदार लोगों को सबक कौन सिखाएगा?

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

daily समाचार.com
डेली samachaar.com

अस्तित्व बचाने को कारगर न्यूनतम जरूरत की सीख

- हर्षदेव

इस साल अगस्त माह बीते 123 वर्ष में सबसे ज्यादा सूखा रहा जबकि नाकाफी बारिश ने भी हिमाचल, सिक्किम, गुजरात और नागपुर में कहर ढहा दिया। उधर न्यूयॉर्क व ऑस्ट्रेलिया में तूफानों ने तबाही मचाई, ब्रिटेनवासियों ने आग बरसाती गर्मी झेली, और लीबिया की बाढ़ में 20 हजार लोगों की मौत ने तो जैसे कुदरती कोप का विस्फोट ही कर दिया। यदि जलवायु संतुलन उपायों में और देर हुई तो पृथ्वी को विनाश से बचाना असंभव होगा। याद रखें पर्यावरण पर होने वाले विश्व सम्मेलनों में संकल्प तो बड़े-बड़े लिए जाते हैं, दूरगामी योजनाएं बनाई जाती हैं,लेकिन अमल में हीला-हवाली की जाती है। शायद इसीलिए संयुक्त अरब अमीरात में होने जा रहे जलवायु सम्मेलन में कुदरती ईंधन कोयला-तेल आदि का इस्तेमाल बंद करने की लंबी योजनाओं को एजेंडे से बाहर रखने की मांग रखी गई है।

इस बीच कुछ अहम आशाजनक वैज्ञानिक सुझाव सामने आए हैं। जो मनुष्य की जीवनशैली को प्रकृति अनुकूल बनाकर पृथ्वी को संकट से उबारने का भरोसा पैदा करते हैं। एक सुझाव मिनिमलिज्म यानी न्यूनतमवाद जो उपभोक्तावाद के निषेध पर आधारित है। हिमाचल में वर्षा से भीषण तबाही के समय आईआईटी,मंडी के डायरेक्टर लक्ष्मीधर बेहरा ने इन आपदाओं की वजह पशुओं के अंधाधुंध वध को बताया था। उनके कथन को वैज्ञानिक कसौटी पर परखने के बाद न्यूनतमवाद पर विचार और भी जरूरी हो जाता है जिसे समझने को पत्रिका 'डाउन टु अर्थ' में प्रकाशित एक लेख कुंजी का काम करता है कि पृथ्वी का अंधाधुंध दोहन रोके बिना पर्यावरण को विनाश से नहीं बचाया जा सकता। इसकी शर्त है हवा-पानी-वन क्षेत्र संरक्षित करना।

पर्यावरण वैज्ञानिकों के अनुसार हवा-पानी-वन क्षेत्र के अंधाधुंध दोहन और मनुष्यों-पशुओं की बढ़ती जरूरतों का ग्लोबल वार्मिंग से सीधा संबंध है। लेखिका साराह ब्राउन के अनुसार, 2050 में मनुष्यों की आबादी 9 अरब 60 करोड़ होगी। इसके लिए खेती की जमीन का निरंतर विस्तार करना होगा जो जंगलों को नष्ट करके ही

संभव है। इतनी विशाल आबादी का पेट भरने के लिए पशुपालन भी बढ़ाना होगा और अतिरिक्त भूमि की जरूरत होगी। लेकिन इसके लिए भूमि ही नहीं, हवा-पानी की भी उतनी ही अधिक मात्रा में जरूरत होगी जबकि ऐसा करते ही पर्यावरण संतुलन धराशायी होना तय है। तथ्य यह कि इस संकट की व्यूहरचना मनुष्य ने स्वयं की है। पशुपालन और खेती का रकबा बढ़ाने के लिए प्रति सेकंड लगभग दो एकड़ वनक्षेत्र नष्ट किया जा रहा है। यह पृथ्वी का वही वन क्षेत्र है जो वनस्पतियों और पशुओं का पालन 70 लाख वर्ष से करता आ रहा है। यह क्षेत्र जितना कम होगा, विनाश उतना ही बढ़ता आएगा। पृथ्वी पर उपलब्ध पानी को लेकर भी यही संकट है। बेशक 70 फीसदी भाग में पानी है लेकिन इसकी बहुत ही छोटी मात्रा यानी केवल 2.50 प्रतिशत उपयोगी है। इसका भी 92 फीसदी हिस्सा खेती में जबकि एक-तिहाई भाग पशुओं के लिए इस्तेमाल होता है।

जलवायु असंतुलन और ग्लोबल वार्मिंग के समाधान पर विचार के लिए दुनियाभर के नियंताओं का हर साल जमघट लगता है लेकिन वहां तय उपाय नतीजे दे पाने में नाकाम हैं। इस बीच प्रकृति-पृथ्वी बचाने को सचेत लोगों की ओर से पेश मिनिमलिज़्म का सिद्धान्त महत्वपूर्ण है। जापान में मिनिमलिज्म खूब लोकप्रिय है। जिसका मंत्र है- 'बड़े घर, बड़ी गाड़ियों, बड़ी जमीनों को तिलांजलि दो।' इसके अनुयायियों ने सीमित कपड़े, न्यूनतम सामान की मितव्ययी राह पकड़ी है। उनका दावा है कि इस राह पर वे पहले से अधिक खुश हैं। वे दिखावटी साजो-सामान नापसंद करने लगे हैं। यहां महात्मा गांधी की 'न्यूनतम जरूरत' की सीख का स्मरण उपयुक्त होगा। गांधी जी के स्वयं सूत कातकर खादी पहनने के नियम के पीछे यही आदर्श था। 'मिनिमलिज्म' की व्याख्या दो तरह से की जा सकती है- एक, धीरे ही सही, लेकिन पनपते रहेंगे और ज्यादा जिएंगे या दो, सर्वनाश देखते-देखते मरेंगे। इन दो विकल्पों में से यदि एक को चुनना पड़े तो मानव जाति पहला ही चुनेगी। लेकिन क्या हम इस विचार की ओर प्रेरित होंगे?

असल में, जब तक विकास के मापदंड इकनॉमिक ग्रोथ और जीडीपी के आंकड़े रहेंगे, तब तक धरती बचाने की योजनाएं और कवायदें भ्रामक ही रहेंगी। ऐसी कौन कंपनी होगी, जो तरक्की की अपनी योजनाओं पर रिवर्स गियर लगाएगी? जो कंपनी आज एक लाख स्कूटर या तीस हजार कारें बना रही है, उसके अगले वर्ष के टारगेट 10 प्रतिशत या उससे भी अधिक होंगे। उत्पाद चाहे कोई भी हो, सेल्स टारगेट बढ़ते ही जायेंगे और उपभोग भी। अधिक एसी, अधिक फ्रिज-टीवी-मकान-वेतन, अधिक व्यवसाय, सब कुछ अधिकज!! फिर क्यों न होगा अधिक कार्बन उत्सर्जन और अधिक नुकसान पर्यावरण का। फिर कैसे बच पाएगी धरती?

क्या हम खुद का उपभोग कम करने को तैयार हैं? लाइट, पंखे, एसी फालतू चलते हैं। वाटर प्यूरीफायर से लेकर टॉयलेट्स में जैसे पानी बहाया जाता है, उसे नहीं रोकेंगे, लेकिन पर्यावरण संरक्षण की बात करेंगे! आत्मावलोकन करना जरूरी है। जब तक उपभोग कम नहीं करेंगे तब तक उत्पादन कम नहीं होगा। और जब तक उत्पादन कम नहीं होगा, अपशिष्टों से धरती लहूलुहान होती रहेगी। उपभोग में केवल मेरे अकेले के कटौती करने से क्या होगा, की सोच से ऊपर उठना होगा। शायद एक पीढ़ी बाद इसके कुछ सुखद परिणाम सामने आ सकेंगे। धरती बची रहेगी तो ही रहेगा हमारा अस्तित्व।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आपको किसी बड़े लक्ष्य की प्राप्ति करने के लिए कठिन परिश्रम करना होगा। श्रेष्ठ कार्यों को बढ़ावा दे सकते हैं। विभिन्न गतिविधियों में आप पूरी रुचि दिखाएंगे, लेकिन परिवार में किसी सदस्य को आपकी कोई बात बुरी लग सकती है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए अपने कामों में निसंकोच आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और एक के बाद एक खुशखबरी सुनने को मिलती रहेगी। मामा पक्ष से आपको धन लाभ मिलेगा और किसी संपत्ति संबंधित मामले में भी जीत मिलेगी, जिससे आपकी संपत्ति में भी इजाफा होगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए रक्त संबंधी रिश्तों में मजबूती लेकर आएगा। धर्म-कर्म के कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे। जल्दबाजी में किसी समझौते पर हस्ताक्षर न करें, नहीं तो गलती हो सकती है और आप यदि किसी बैंक, व्यक्ति, संस्था आदि से धन उधार लेने की सोच रहे थे, तो वह आपको आसानी से मिल जाएगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने के लिए रहेगा। आपको कुछ शारीरिक कष्ट हो सकते हैं। व्यापार में तेजी आएगी, लेकिन आपको अपने कामों के साथ-साथ परिवार के सदस्यों के लिए भी कुछ समय निकालना होगा, नहीं तो संतान आपसे नाराज हो सकती है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए जल्दबाजी में किसी कार्य को करने से बचना होगा। आपकी मेहनत रंग लाएगी और आपको कार्यक्षेत्र में मन मुताबिक काम मिल सकता है। व्यावसायिक विषयों में गति आएगी। किसी काम में आपको अनुशासन बनाए रखना होगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए बुद्धि और विवेक से निर्णय लेने के लिए रहेगा। आप अपनी अच्छी सोच का लाभ उठाएंगे। विद्यार्थियों ने यदि किसी प्रतियोगिता में भाग लेने का मन बनाया है, तो वह उसके लिए आवेदन कर सकते हैं। कला व कौशल से आप एक अच्छी जगह बनाएंगे। मित्रों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए बिजनेस में उतार चढ़ाव लेकर आने वाला है। आपको कोई बड़ी उपलब्धि मिल सकती है। यदि आप किसी महत्वपूर्ण चर्चा में सम्मिलित हो, तो उसमें आपको औरों के साथ-साथ अपनी बात भी उनके सामने रखनी होगी।

वृश्चिक- आज आप कुछ नए लोगों से मेलजोल बढ़ाने में कामयाब रहेंगे। वाणिज्यिक विषयों पर आपका पूरा फोकस रहेगा। किसी अजनबी से आप अपने घर परिवार में चल रही समस्याओं को लेकर बातचीत ना करें।

धनु- आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। किसी महत्वपूर्ण लक्ष्य को आप पूरा करेंगे, लेकिन आप किसी से कोई वादा या वचन ना भरें। आपके परिवार में किसी सदस्य के विवाह प्रस्ताव पर मोहर लग सकती है, जिससे परिवार में माहौल उत्सव जैसा रहेगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप अपने परिजनों के साथ बैठकर कुछ पुरानी यादें ताजा करेंगे। रचनात्मक विषयों से आप अपनी जगह बनाएंगे और नौकरी में कार्यरत लोगों को प्रमोशन मिल सकता है।

कुंभ- आज के दिन नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए कोई खुशखबरी लेकर आने वाला है। रिश्तों में संवेदनशीलता बनी रहेगी और आपकी किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी। अपने जरूरी कामों में लापरवाही बिल्कुल ना बरतें।

मीन- आज का दिन आपके लिए अपने बढ़ते खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए रहेगा और अपनी आय- व्यय का एक लेखा जोखा बनाकर चलेंगे, तो आप कुछ धन बचा सकते हैं। कार्यक्षेत्र में यदि कुछ समस्याओं को लेकर आप परेशान चल रहे थे, तो उनसे भी आपको छुटकारा मिलेगा।

मंशा

एक बार गौतम बुद्ध अपने शिष्यों के साथ पद यात्रा पर थे। एक शाम वे सब बहुत थक गये। तथागत गौतम ने कहा कि यहां इस जंगल में रात को रुक जाते हैं। गर्मी का मौसम है, हरी घास पर लेट जाते हैं, सुबह होगी तो फिर से चल देंगे। सुबह जागे तो एक आवाज आई और सब चौंक गये। एक युवक नीचे गिरे पत्तों को एक बड़े बर्तन में जमा कर रहा था। उस युवक ने जब अपने लिये पत्तियां जमा कर लीं तो गौतम बुद्ध ने उसके नजदीक जाकर उसके साथ वार्तालाप किया और उस युवक ने वहां पर एक-दो पेड़ों की तरफ संकेत करके बताया कि इनकी पत्तियां भोजन और जल दोनों की कमी पूरा करती हैं। यह कहकर वो युवक चला गया। युवक जब दूर चला गया तो शिष्यों ने पूछा कि तथागत उस साधारण देहाती मजदूर से इतनी घनिष्ठता से वार्तालाप भला क्यों? महात्मा बुद्ध ने कहा कि तुमने देखा, वह कितना संतोषी है, उसने बस पेड़ों द्वारा त्याग दिये गये पत्तों के अलावा एक हरा पत्ता तक नहीं तोड़ा। यही इसकी साधना है जो मेरे अंतस्थल को छू गई। 'मानव' क्या है, यह महत्वपूर्ण नहीं; परन्तु उसकी नीयत में क्या है, यह बहुत महत्वपूर्ण है!

प्रस्तुति : पूनम पांडे

तनाव का शिकार इंसान डिप्रेशन में चला जाता

स्ट्रेस (तनाव) का शिकार इंसान डिप्रेशन में चला जाता है और बात-बात पर चिड़चिड़ाने लगता है जिससे वह अपनी मानसिक शक्तिया खो देता है, ऐसे दौर में जी रहे हैं हम, जिसमें तनाव जिंदगी का एक अंग बन गया है। जिसके कारण भूख पियास सब स्ट्रेस में बदल गयी है और स्ट्रेस हमारी मानसिक सेहत पर असर डालता है, जो बेचैनी और डिप्रेशन की वजह बनता है. स्ट्रेस की वजह से लोग ऐसी चीजें खाना ज्यादा पसंद करने लगते हैं, जिनमें ट्रांसफैट, नमक और चीनी की ज्यादा मात्रा होती है।

जिससे मोटापे की समस्या होती है और मोटापा भी व्यक्ति की जीवन में तनाव का कारण बनता है जिससे दिल का रोग, हाईपरटेंशन और डायबिटीज जैसी बीमारियां होने की आशंका रहती हैं.इन चीजों से भी स्ट्रेस का होना पाया जाता है स्ट्रेस इंसान को तंबाकू, शराब और कई अन्य नशों के लिए भी प्रेरित करता है और नशे का आदी बना देता है.

नशा इंसान को अंदर ही अंदर खत्म कर देता है, स्ट्रेस आज लाइफस्टाइल से जुड़ी कई बीमारियों का कारण बन चुका है, इसलिए स्ट्रेस का प्रबंधन होना अब बेहद जरूरी हो गया है। रिसर्च में यह बात सामने आई है कि गुस्सा और आक्रामकता दिल के रोगों का नया खतरा बन कर उभर रहा है. इस समय दिल के रोगों से इंसान को सबसे ज्यादा दिल के दौरे का खतरा है यहां तक कि गुस्से की हालत को दोबारा याद करने से भी दिल का दौरा प्रोत्साहित होता है.और बहुत से डॉक्टरो का यह भी मानना है कि अगर डॉक्टर आईसीयू में बेहोश मरीज के सामने नकारात्मक बातें करने की बजाय सकारात्मक बातें करें तो उसके नतीजे बहुत ही बेहतर निकलते हैं। स्ट्रेस को दूर करने का सबसे बेहतरीन तरीका है अपने विचारो, बोलो और क्रियाओं में मौन को लाना. प्राकृतिक माहौल में शांत मन से केवल सैर करते हुए और प्राकृति की सुंदर आवाजों को सुनते हुए बिताना 20 मिनट के ध्यान के बराबर प्रभावशाली होता है.

20 मिनट के ध्यान से वही मानसिक ऊर्जा प्राप्त होती है जो सात घंटे की नींद से मिलती है।

कहीं आप भी तो नही पीते प्लास्टिक की बोतल से पानी?

एक शोध में प्लास्टिक की बोतल से पानी पीना इंसानी शरीर के लिए बेहद खतरनाक बताया गया है नयी शोध के अनुसार हम प्लास्टिक की बोतल से पानी पीकर खुद को कैसर जैसी घातक बिमारियों के करीब लेकर जाते है !

हम कहीं सफर पर हों या फिर बच्चे के लिए पानी का इंतजाम करना हो, अक्सर प्लास्टिक की बॉटल में ही पानी पीते हैं. यही नहीं एसी कमरों में मीटिंग्स करने वाले भी छोटी छोटी प्लास्टिक बोतलों में ही पानी पीना चाहते हैं. पर जरा सावधान ! अमेरिकी वैज्ञानिकों ने खुलासा किया है कि प्लास्टिक बोतल से पानी पीना और खाना सेहत के लिए जानलेवा हो सकता है. इससे कैंसर, डायबिटीज, ऑटिज्म जैसी कई खतरनाक बीमारियां हो सकती हैं. यह दावा न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने अपने शोध में किया है.

वैज्ञानिकों के मुताबिक प्लास्टिक बोतल में इंडोक्राइन डिसरप्टिंग केमिकल (ईडीसी) जैसा रसायन होता है जो शरीर के हार्मोनल सिस्टम को नुकसान पहुंचाते हैं. मुख्य शोधकर्ता व प्रोफेसर लियोनार्डो ट्रासेंडे के मुताबिक, प्लास्टिक के बोतल में पाया जाने वाला रसायन ईडीसी स्वास्थ्य के लिए जानलेवा है. इससे होने वाली बीमारियों से बचाव में सिर्फ अमेरिका में हर साल 2300 करो? रुपये से अधिक खर्च होते हैं. हमारे शरीर के अंतर अंतःस्रावी ग्रंथियां होती हैं जो हमारे शरीर की सभी जरूरी क्रियाओं के लिए आवश्यक ऊर्जा प्रदान करती हैं. जबकि प्लास्टिक बोतल, खाना पैक करने वाले डिब्बों, डिटरजेंट, खिलौनों और सौंदर्य प्रसाधन आदि में एक ऐसा खतरनाक रसायन पाया जाता है जो इन ग्रंथियों को निष्क्रिय करता जाता है. इस जानलेवा रसायन को बिना किसी उपकरण की मदद के देख पाना मुश्किल है. ईडीसी के खतरे- इससे स्नायुतंत्र संबंधी बीमारियों सहित एकाग्रता में परेशानी, सोचने-समझने की क्षमता का भी कमी आना, दिमागी असंतुलन, ऑटिज्म, कैंसर, मोटापा, डायबिटीज, पुरुषों में बांझपन और महिलाओं में गर्भाशय संबंधी बीमारियों के होने की आशंका ब? जाती है.

5000 लोगों पर हुआ शोध- शोधकर्ताओं ने इस रयासन के प्रभाव को जांचने के लिए 5000 लोगों के खून और यूरिन का सैंपल लिया था. फिर इनके विश्लेषण के लिए वैज्ञानिकों ने एक कंप्यूटर मॉडल विकसित किया. इससे ये पता लग सके कि ईडीसी से किन बीमारियों का खतरा रहता है. ये आंक? वर्ष 2009 से 2015 के बीच अमेरिका के नेशनल हेल्थ एंड न्यूट्रिशन एक्जामिनेशन सर्वे ने जुटाए थे.

मानसून में होने वाले बुखार से रहें सतर्क

जीवन की भागदौ भरी लाइफ में इंसान आजकल पूरी तरह से डूब चुका है कहते है जीवन में स्वास्थ्य का एक बहुत बड़ा महत्व है !

मगर अक्सर आज के दौर में ये देखा जाता है की पैसे कमाने की चाह में इंसान सबकुछ पीछे छोता चला जा रहा है ! मगर डॉक्टर्स के एक अनुभवी पैनल ने एक जानकारी को सार्वजानिक किया है की मानसून में होने वाला बुखार भ्रम पैदा कर सकता है ! मलेरिया है या डेंगू, चिकनगुनिया है या पीलिया या टायफायड, क्योंकि इन सभी के लक्षण मिलते-जुलते रहते हैं. हां, मानसून के बुखार में एस्प्रिन नहीं देनी चाहिए, क्योंकि कई किस्म के बुखार में प्लेटलेट्स की संख्या घटने लगती है ! खुद को और परिवार को मानसून के इस बुखार से बचाने के लिए इन बातों का ध्यान रखें-

जब तक टायफायड की पहचान न हो जाए, तब तक कोई भी एंटीबायटिक न लें. खांसी, आंखों में लाली और नाक बहना आदि वायरल विकार की वजह से भी हो सकता है. डेंगू होने पर आखें हिलाने पर दर्द होता है. चिकनगुनिया में मरीज को बुखार, रैशेस और जोड़ों में दर्द होता है. कलाई के जोड़ों को दबाने से जोड़ों का दर्द बढ़ता है. मलेरिया के बुखार में कंपकपी छूटती है और कठोरपन आ जाता है, बुखार के बीच में टोक्सीमिया नहीं होता ! पीलिया में जब तक पीलिया सामने आता है तब तक बुखार चला जाता है. टायफायड का रोगी टॉक्सिक लगता है और उसकी नब्ज बुखार से कम होती है. ज्यादातर वायरल बुखार अपने आप नियंत्रित होते हैं और एक सप्ताह में ठीक हो जाते हैं.

मानसून के ज्यादातर वायरल विकारों में उचित मात्रा में पानी लेने से इलाज हो जाता है. किसी लंबी मेडिकल बीमारी के दौरान बुखार होने पर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और तुरंत डॉक्टर के पास जाना चाहिए ! क्यों की स्वास्थ्य से बड़कर और अपनों से बढ़कर कुछ नही है तो लापरवाही को खुद पर हावी न होने दें और समय से इन लक्षणों को पहचानिये और तत्काल उसे मात दे !

पौष्टिक और हेल्दी स्वाद से भरी ड्रिंक

शरीर को स्वस्थ रहने के लिए पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है आज हम आपको एक ऐसे ड्रिंक के बारे में बता रहे हैं जो बहुत पौष्टिक और हेल्दी है। इससे भी अधिक यह है कि ये बहुत स्वादिष्ट होती हैइस ड्रिंक को तीन पदार्थों से बना गया है जो आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक होते है और इसको आप उपवास खोलते समय भी पी सकते है तो चलिए इसको बनाने की विधि जान लेते है ।

आवश्यक सामग्री -सेब : 1, पका हुआ बड़ा केला 1,गाजर माध्यम आकार का 1, शक्कर या शहद स्वादानुसार, पानी 1 कप, आइस क्यूब्स 4 या 5। बनाने की विधि -1. सेब को छीलें और इसके बीज निकाल दें। अब इसे छोटे छोटे टुकड़ों में काटे। 2. गाजर को छीलें और इसे भी छोटे छोटे टुकड़ों में काटे। 3. केले को छीलें और इसे भी छोटे छोटे टुकड़ों में काट दें। 4. यदि आप मिक्सर ग्राइंडर या ब्लेंडर का उपयोग कर रहे हैं तो कटे हुए केले, सेब और गाजर को जार में डालें। 5. इसमें बर्फ के कुछ टुकड़ों डालें। 6. कुछ पानी डालें और मिश्रण को अच्छी तरह पीसें। 7. इसमें शुगर मिलाएं और फिर से अच्छी तरह पीसें। यदि आप जूस को हेल्दी बनाना चाहते हैं तो आप शहद का उपयोग भी कर सकते हैं। बारीक छन्नी का उपयोग करके जूस को छान लें ताकि पल्प और जूस अलग अलग हो जाए। इस पल्प में फाइबर होते हैं जो शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। इससे आपको पेट जल्दी भरा हुआ महसूस होता है। अत- यदि आप चाहें तो आप पल्प को अलग करने के बजाय इसे जूस के साथ ही पी सकते हैं। केवल फलों के ताजे टुकड़ जूसर में डालें और ताजा जूस प्राप्त करें। यदि आप इस तरीके से जूस बना रहे हैं तो आपको जूस में शुगर या शहद और आइस (ब?) डालने की आवश्यकता होगी। याद रखें कि जूस को बहुत अधिक समय तक न रखें क्योंकि इसका रंग बदल जाता है। हालांकि रंग बदलने के बाद भी यह उतना ही पौष्टिक होता है परन्तु दिखने में आकर्षक नही लगता।

डाइटिंग करना जरूरी नहीं, बल्कि समय पर खाना महत्वपूर्ण

आज के समय में व्यक्ति सबसे ज्यादा परेशान अपने मोटापे को लेकर रहता है जिससे वह डिप्रेशन का शिकार होता है मोटापा आज के समय में एक महत्वपूर्ण विषय बन गया है मोटापा कम करने के लिए आप चाहे जितनी एक्सरसाइज या डाइटिंग कर ले, पर खाना खाने के समय को अगर आपने नहीं बदला तो आपका मोटापा वैसा का वैसा ही रहने वाला है।

क्या कहते हैं डॉक्टर

डायटिंग करना जरूरी है तो यह आपका गलत सोचना है। मोटापा घटाने के लिए कम खाना नहीं बल्कि समय पर खाना ज्यादा महत्वपूर्ण है। डॉक्टर सलाह देंते कि मोटापा घटाने के लिए नाश्ता, दोपहर तथा शाम का भोजन समय पर होना चाहिए। मोटापा घटाना है तो नाश्ते का सही समय सुबह 7.11 बजे दोपहर का भोजन 12.38 बजे और शाम के भोजन का सही वक्त 6.14 बजे सुझाया गया है।

कब करें नाश्ता

अकसर यह कहा जाता है कि सुबह का नाश्ता दिन का सब से महत्वपूर्ण भोजन है। ऐसा इसलिए क्योंकि पूरी रात नींद लेने और 12 घंटे या इस से अधिक समय तक बिना भोजन के रहने के बाद जब आप का शरीर पोषण के लिए तरस रहा होता है, तो उस की आपूर्ति सुबह का नाश्ता ही करता है। न्यूट्रिशनिस्ट कहते हैं कि सुबह का नाश्ता आप को जागने के बाद 2 घंटे के अंदर कर लेना चाहिए।

दोपहर का भोजन

आपके नाश्ते और दोपहर के भोजन के बीच कम से कम 4 घंटे का अंतराल हो। दोपहर का भोजन 4 बजे से पहले करें। दिन के खाने के साथ सलाद भी विटामिन ए, डी, ई और के को शरीर में पहुंचाने में सहायक होता है। एक या दो रेशेदार सब्जी थकान मिटाने व फुर्ती बनाए रखने के लिहाज से अच्छी होती हैं क्योंकि इससे पेट साफ और आलस दूर रहता है।

रात का खाना

रात का खाना सोने से 3 घंटे पहले खाना चाहिए। अगर किसी वजह से इसमें देर हो जाती है तो रात के खाने की मात्र कम करें जिससे सोने में मदद मिले, क्योंकि रात में सोने की वजह से शरीर की पाचन क्रिया ढीली पड़ जाती है। खाते ही सो जाने से खाना ठीक से डाइजेस्ट नहीं होता और इसलिए फैट और लिपिड बन कर स्टोर हो जाता है। खाकर तुरंत सो जाने से कब्ज की भी प्रॉब्लम होती है। तो रात के खाने का समय 7-8 के करीब रखें। इस समय खाना एकदम लाइट लें।

इन बातों का रखें ध्यान -

दिन में 2 या 3 बार ही न खाएं। हर थोड़ी देर के गैप पर कुछ भी हल्का-फुल्का खाते रहें। इससे खाना फैट बनकर स्टोर नहीं होगा और आप इकट्ठे ओवरइटिंग भी नहीं करेंगी। खाने के 15 मिनट पहले सलाद खाएं। इससे बॉडी तो हाईड्रेट रहेगी ही, कब्ज की शिकायत भी नहीं होगी।

हमारे शरीर को फाइबर्स की भी बहुत जरूरत है।खाने की प्लेट ज्यादा बड़ी न हो, इसका ध्यान रखें। इससे आपको प्लेट में लिया हुआ खाना भरपूर लगेगा और आप ओवरईटिंग से बच जाएंगी।

हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश का हिमालय परिदृश्य स्कीइंग जैसे बाह्य गतिविधियों के लिए आदर्श है

हिमाचल प्रदेश अपने हिमालयीन परिदृश्य और लोकप्रिय पहाड़ी सैरगाहों (हिल-स्टेशन) के लिए प्रसिद्ध है। कई बाह्य गतिविधियां जैसे रॉक क्लाइंबिंग, माउंटेन बाइकिंग, पैराग्लाइडिंग, आइस-स्केटिंग और हेली-स्कीइंग हिमाचल प्रदेश के लोकप्रिय पर्यटक आकर्षण हैं[8]

राज्य की राजधानी शिमला, पर्यटकों के बीच बहुत लोकप्रिय है। कालका-शिमला रेलवे एक पहाड़ी रेलवे है, जो यूनेस्को विश्व विरासत स्थल है। शिमला भारत में एक प्रसिद्ध स्कीइंग आकर्षण भी है। अन्य लोकप्रिय हिल स्टेशनों में मनाली और कसौली शामिल हैं। धर्मशाला, दलाई लामा का निवास घर, अपने तिब्बती मठों और बौद्ध मंदिरों के लिए जाना जाता है। कई ट्रेकिंग अभियान भी यहां प्रारंभ होते हैं।

बिहार

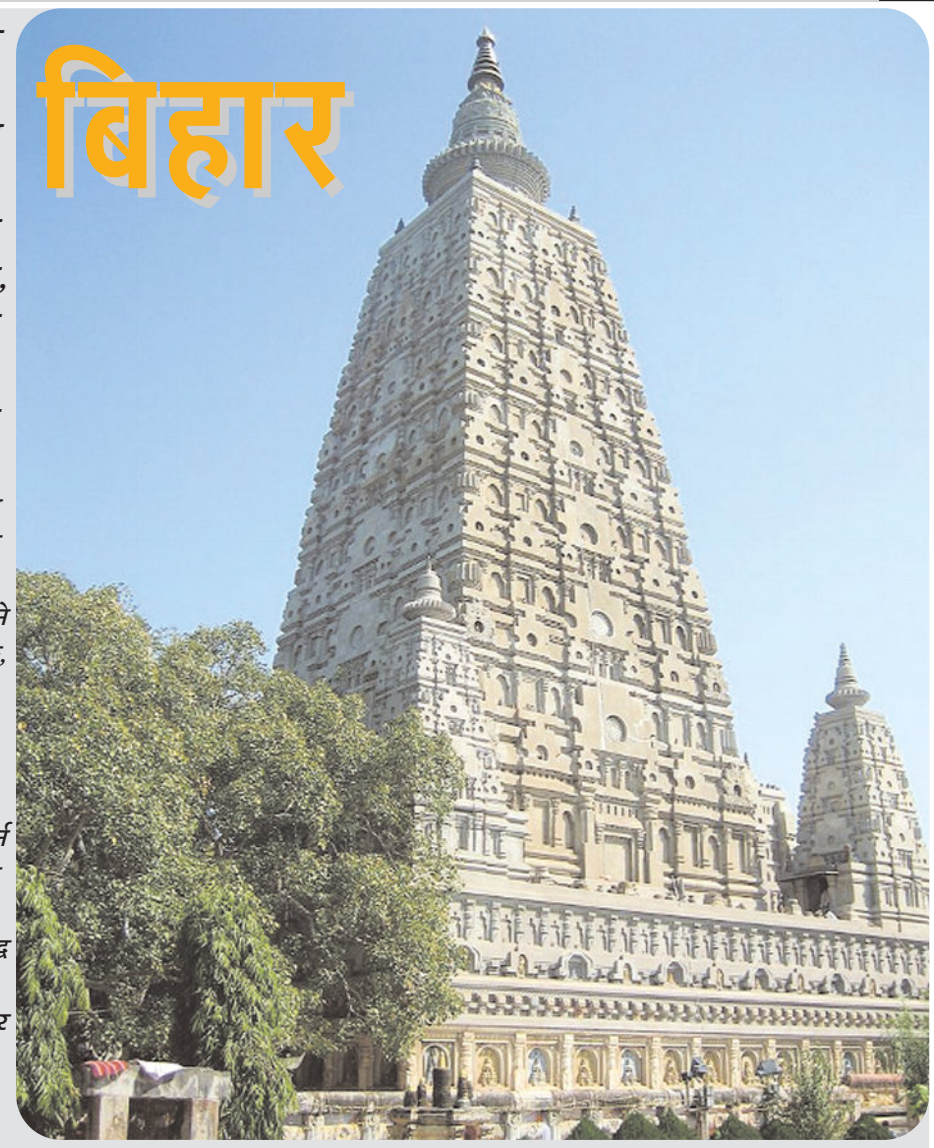

महाबोधि मंदिर यूनेस्को का एक विश्व विरासत स्थल है।

बिहार, 3000 साल के इतिहास के साथ, दुनिया में लगातार निवसित सबसे पुराने स्थानों में से एक है।

बिहार की समृद्ध संस्कृति और विरासत, पूर्वी भारत के इस राज्य में बिखरे असंख्य प्राचीन स्मारकों से स्पष्ट होता है। यह आर्यभट्ट, महान अशोक, चाणक्य और कई औरों की भूमि है।

बिहार, हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म, सिक्ख धर्म और इस्लाम जैसे विभिन्न धर्मों के सर्वाधिक पवित्र स्थलों में से एक है। प्रसिद्ध आकर्षणों में शामिल हैं बौद्ध मंदिर महाबोधि मंदिर और यूनेस्को के विश्व विरासत स्थल भी बिहार में स्थित हैं, भारत में सबसे पुरानी चट्टान काट कर बनी गुफ़ाएं, बाराबार गुफ़ाएं, भारत का सबसे पुराना पुस्तकालय, खुदा बख़्श ओरिएंटल पुस्तकालय।

पश्चिम बंगाल

कोलकाता का विक्टोरिया मेमोरियल

कोलकाता, पश्चिम बंगाल राज्य के कई शहरों में से एक, को महलों का शहर उपनाम दिया गया है। यह नाम उसे शहर भर में निर्मित कई शानदार भवनों से मिला है। कई अन्य उत्तर भारतीय शहरों के विपरीत, जिनके निर्माण में न्यूनतम पर ज़ोर होता है, कोलकाता के वास्तुशिल्पीय विविधता के अधिकांश अभिविन्यास के मूल में यूरोपीय शैलियों और ब्रिटिश से आयातित रूचि, तथा थोड़ा-बहुत, पुर्तगाली और फ्रेंच का प्रभाव है।

इमारतों की डिज़ाइन मौजूद अंग्रेजी सज्जनों और आकांक्षी बंगाली बाबू (वस्तुतः, एक कल का नवाब बंगाली, जो अंग्रेजी शिष्टाचार, आचार-विचार अपनाने का आकांक्षी है, चूंकि ये तौर-तरीके ब्रिटिशों से मौद्रिक लाभ कमाने के अनुकूल थे) की रुचियों से प्रेरित थीं। आज, इनमें से कई इमारतें अवनति के विभिन्न चरणों में हैं।

इस काल की कई प्रमुख इमारतों का अच्छी तरह से रख-रखाव किया गया है और कई इमारतों को विरासत भवनों के रूप में घोषित किया गया है।ऐतिहासिक दृष्टिकोण से, पश्चिम बंगाल की कहानी गौड़ और पांडुवा से शुरू होती है, जो वर्तमान मालदा जिला नगर के पास स्थित है। जुड़वां मध्ययुगीन शहरों को कम से कम 15वीं सदी में एक बार सत्ता बदलते समय लूटा गया था। फिर भी, इस अवधि के खंडहर शेष हैं और कई स्थापत्य नमूने, अभी भी उस समय की महिमा और चमक को बरकरार रखे हैं। पक्की मिट्टी और लेटराइट बलुआ पत्थर में बिश्नुपुर की हिन्दू स्थापत्य कला दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। ब्रिटिश औपनिवेशिक काल में मुर्शिदाबाद और कूचबिहार का वास्तुशिल्प उभर कर सामने आया।

उड़ीसा

पूर्वी गंगा राजवंश द्वारा निर्मित कोणार्क सूर्य मंदिर एक यूनेस्को विश्व विरासत स्थल है।

उड़ीसा, अध्यात्म, धर्म, संस्कृति, कला और प्राकृतिक सौंदर्य में रुचि रखने वाले लोगों के लिए प्राचीन समय से ही एक पसंदीदा स्थल रहा है।

प्राचीन और मध्यकालीन स्थापत्य कला, प्राचीन समुद्र तट, शास्त्रीय और जातीय नृत्य रूप और त्यौहारों की विविधता भी है। उड़ीसा ने बौद्ध धर्म को जीवित रखा है। चट्टानी-शिलालेख, जिन्होंने समय को चुनौती दी है, नदी दया के किनारों पर विशाल तथा प्रभावपूर्ण रूप में मौजूद हैं। बौद्ध धर्म की मशाल आज भी नदी बिरुपा के किनारे, उदयगिरि और खंडगिरि गुफाओं के उत्कृष्ट त्रिकोण में प्रज्वलित है। गौरवशाली अतीत के बहुमूल्य खंड, स्तूप, चट्टानी गुफाओं, चट्टानी शिलालेखों, खुदाई में मिले मठों, विहारों, चैत्यों और ताबूत में पवित्र अवशेष और अशोक के शिलालेखों में सजीव हैं। उड़ीसा अपने सुसंरक्षित हिंदू मंदिरों, विशेष रूप से कोणार्क सूर्य मंदिर के लिए भी प्रसिद्ध है।

उड़ीसा विभिन्न आदिवासी समुदायों के लिए घर है, जिन्होंने राज्य के बहुसांस्कृतिक और बहुभाषी स्वरूप में विशिष्ट रूप से योगदान दिया है। उनके हस्तशिल्प, विभिन्न नृत्य रूप, वन उत्पाद और चिकित्सा पद्धतियों के साथ मिश्रित उनकी अद्वितीय जीवन शैली ने विश्वव्यापी ध्यान आकर्षित किया है।

तमिलनाडु

महाबलीपुरम का तटीय मंदिर, हिंद महासागर का एक प्राचीन मंदिर है और यूनेस्को का एक विश्व विरासत स्थल. तमिलनाडु दक्षिणी भारतीय प्रायद्वीप में, बंगाल की खाड़ी के तट पर अवस्थित है। चोल, पल्लव, पंड्या और विजयनगर साम्राज्य सहित कई महान शासकों ने तमिलनाडु के कुछ हिस्सों पर शासन किया था। राज्य, अपनी सांस्कृतिक विरासत और मंदिर वास्तुकला के लिए जाना जाता है।आकर्षणों में शामिल हैं तटीय मंदिर के लिए लोकप्रिय महाबलिपुरम, भारत के सुदूर दक्षिण छोर पर स्थित कन्याकुमारी,अंतर्राष्ट्रीय काल्पनिक शहर ऑरोविल, मुदुमलै वन्यजीव अभयारण्य, दो प्रसिद्ध पहाड़ी सैरगाह।

उत्तराखंड

फूलों की घाटी और नन्दा देवी राष्ट्रीय उद्यान यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थलों में हैं। उत्तरांचल भारत गणराज्य का 27वां राज्य है। यहां हिमनदियां, बर्फ से ढके पहाड़, फूलों की घाटी, स्कीइंग ढलान और घने जंगल, तथा कई मंदिर व तीर्थ स्थान हैं। हिमालय में बसे चार-धाम, चार सबसे पवित्र और श्रद्धेय हिंदू मंदिर- बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री हैं। हरिद्वार, जिसका अर्थ है भगवान का प्रवेश द्वार केवल मैदानी इलाक़ा है। यह पश्चिम में सतलज से पूर्व में काली नदी तक 300 किमी तक विस्तृत गंगा नदी प्रणाली के लिए जल आयोजित करता है। नंदा देवी (25,640 फीट) भारत में कंचनजंगा (28,160 फीट) के बाद दूसरी सबसे ऊंची चोटी है।दूनागिरि, नीलकंठ, चुखंबा, पंचचुली, त्रिसूल 23,000 फीट से ऊपर की अन्य चोटियां हैं। इसे देवताओं, यक्षों, किन्नरों, परियों और संतों का निवास स्थान माना जाता है।[कृपया उद्धरण जोड़ें] यहां ब्रिटिश युग के दौरान विकसित मसूरी, अल्मोड़ा और नैनीताल जैसे कुछ पुराने पहाड़ी सैरगाह हैं।

पुदुचेरी

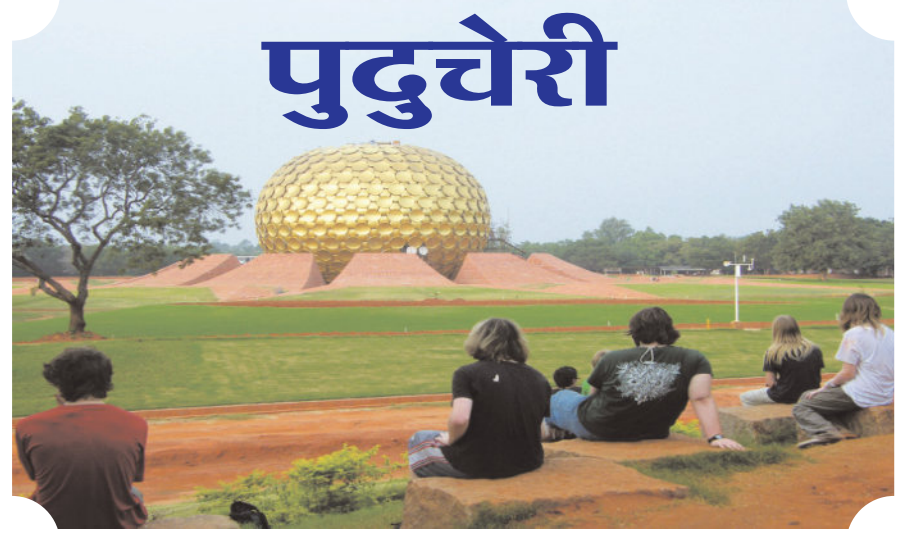

मातृमंदिर, ऑरोविले, पुदुचेरी का एक सुनहरा धातु क्षेत्र

संघ-शासित प्रदेश पुदुचेरी में चार तटीय क्षेत्र, यथा पुदुचेरी, करैकल, माहे और यानम शामिल हैं। पुदुचेरी इस संघ-शासित प्रदेश की राजधानी और दक्षिण भारत के सर्वाधिक लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। पुदुचेरी को नेशनल ज्योग्राफिक ने उपमहाद्वीप प्रवास की उज्वल विशिष्टता के रूप में वर्णित किया है। शहर में कई खूबसूरत औपनिवेशिक इमारत, चर्च, मंदिर और मूर्तियां हैं, जो व्यवस्थित शहर नियोजन और सुनियोजित फ्रांसीसी शैली के रास्तों से जुड़ कर, अब भी अधिकांश औपनिवेशिक परिवेश को संजोए हुए हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने झाखरपारा में भाजपा प्रत्याशी गोवर्धन सिंह मांझी के पक्ष में ली सभा

सरकार बनी तो बिंद्रानवागढ़ के विकास की जिम्मेदारी मेरी

गरियाबंद (दैनंदिनी)। मंगलवार को गरियाबंद जिले के झाखरपारा पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कांग्रेस और भूपेश बघेल पर तीखा हमला बोला। पूर्व सीएम रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सबसे बड़ा लबरा भूपेश बघेल है। भूपेश बघेल से ज्यादा को झूठ कोई नई नहीं बोल सकता। जन घोषणा पत्र में विकास के कार्य करूंगा लिख के दिया था। पूर्व शराब बंदी, बेरोजगारी भत्ता, दो साल का बोनस, महिलाओं को 500 रुपए प्रति माह देने सहित 36 वादे किए थे। लेकिन एक भी वादे पूरे नहीं किए। आज छत्तीसगढ़ की जनता उनसे पूछ रही है कब वादे पूरे करोगे।

पूर्व मुखमंत्री डॉ रमन सिंह ने मंगलवार को गरियाबंद जिले के अंतिम छोर में बसे झाखरपारा में भाजपा प्रत्याशी गोवर्धन सिंह मांझी के पक्ष में सभा लेने पहुंचे थे। पांच साल बाद देवभोग ब्लॉक पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन के आगमन की लेकर भाजपाइयों में जबरदस्त उत्साह दिखा। हजारों की संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं और आम जनता को संबोधित करते हुए पूर्व सीएम सिंह ने कहा कि आज मैं आपसे आशीर्वाद लेने आया हूं। यह चुनाव ऐतिहासिक चुनाव है। यह चुनाव भ्रष्ट निकम्मी सरकार को बदलने का अवसर है। 15 साल में अपने डॉ रमन को देखा, और पांच साल के भूपेश बघेल के कार्यकाल को भी देख लिया। हमने विकास के काम किए। कांग्रेस सरकार ने पांच साल जनता को ठगने का काम किया। चावल घोटाला किया, शराब घोटाला किया, कोयला घोटाला किया, पीएसी घोटाला किया यहां तक गोबर ने भी घोटाला कर दिया। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद ने चारा घोटाला किया था इसने तो गोबर कर उन्हें भी पीछे छोड़ दिया।

मेरी छबि चावल वाले बाबा की भूपेश दारू वाले कका

पूर्व सीएम डॉक्टर रमन सिंह ने कहा कि झाखरपारा की जनता ने मुझे 15 साल आशीर्वाद दिया है। मुझे यहां चावल वाले बाबा के रूप में जानते हैं। हमने एक रुपए किलो के चावल दिया। छत्तीसगढ़ की जनता की भूख मिटाई। दूसरी ओर भूपेश बघेल की पहचान दारू वाले कका की है। भूपेश बघेल ने शराब घोटाला किया शराब बंदी का वादा कर घर-घर शराब पहुंचाई आज पूरे छत्तीसगढ़ की जनता उन्हें दारू वाले काका के रूप में जानती है। पूर्व सीएम रमन ने कहा कि चुनाव के पहले कांग्रेस ने 36 वादे किए थे एक भी पूरा नहीं किया। अब फिर से चुनाव आ गया तो

हार के डर से घोषणा में घोषणा कर रहा है। पूर्व सीएम ने कहा कि आज मैं आपको बताना चाहता हूं पीएम नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के विकास की गारंटी दी है। सरकार बनेगी तो एक एक वादे भाजपा पूरी करेगी ये मोदी जी की गारंटी है। भाजपा सरकार बनायेंगे तो प्रति एकड़ 65000 धान का कीमत देंगे, 3100 रुपए प्रति क्विंटल के दर से 21 क्विंटल चावल खरीदी होगी। दो साल का बोनस भी हम देंगे। महिला बहनों को 12000 वार्षिक, 500 में सिलेंडर देने की गारंटी भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी हैं। मोदी की गारंटी याने गारंटी की भी गारंटी।

इसका वादा- सभा के दौरान पूर्व सीएम रमन सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने पीएससी घोटाला किया। बच्चे मेहनत कर पड़ते है, गरीब मां बाप पैसा खर्च कर पढ़ाते है और ये कमीशनखोरी कर अपने चहेतों को सीट दे रहे है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आयेगी तो भाजपा इसकी जांच कराएगी। दोषियों को जेल भेजेंगे। 18 लाख गरीबों को मकान देंगे। बेरात नाला, बहिनाला, झाखरपारा में सहकारी बैंक की स्थापना। कर्मचारियों को केंद्र समान डीए की। कालेज की मांग। सुपेबेड़ा की मांग सभी पूरी की जाएगी।

पूर्व कृषि मंत्री चंद्रशेखर साहू ने कहा कि कांग्रेस ने झूठे वादे किए, भ्रम में डाल कर सत्ता चलाई, अपने वादे पूरे नहीं किए। कांग्रेस के मंत्री टी एस बाबा ने खुद कहा की कांग्रेस वादा पूरा करने में नाकाम रही। पूर्व मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के झूठे वादे तो देख लिए अब मोदी जी गारंटी देखिए। अटल जी ने छत्तीसगढ़ का निर्माण किया। इसके विकास की नीव पूर्व मुख्य मंत्री डॉ रमन सिंह ने रखी। 15 साल भाजपा सरकार ने प्रदेश का चहुमुखी विकास किया। मोदी जी ने महिलाओं को 12000 सालाना देने की गारंटी दी है। जिससे कांग्रेस डरी हुए है। भाजपा प्रत्याशी गोवर्धन मांझी ने कहा कि तेल नदी से आने का साधन नही था , आज दो पुल बन गए है, तीसरा पुल बन रहा है। ये पूर्व सीएम रमन सिंह जी की देन है। 15 साल में अनेक विकास कार्य हुए। समस्याओं का निराकरण हुआ। मांझी ने कहा कि छत्तीसगढ़ और गरियाबंद जिले में पांच साल में एक भी नया विकास काम नही हुआ। न शिक्षा, न सड़क, न स्वास्थ्य, किसी सेक्टर में कोई काम नहीं हुआ। पांच साल विकास शून्य रहा। कांग्रेस ने तो गंगा कसम खाकर शराब बंदी की बात कही, लेकिन कोरोना काल में घर घर शराब पहुचाई। भाजपा कोरोना की दवाई दे रही थी और ये शराब सप्लाई कर रही थी। भूपेश बघेल ने केवल जनता को ठगा है, इसका जवाब हमे चुनाव में देना है। छत्तीसगढ़ में विकास की सरकार बनानी है। कार्यक्रम को विधायक डमरूधर पुजारी, बाबा उदयनाथ, कोंटा प्रत्याशी सोयम मूका, चुनाव संचालक राम कुमार साहू, बिंद्रानवागढ़ प्रभारी महेंद्र पंडित, जिला महामंत्री अनिल चंद्राकर, बलदेव हुंदल, अजय रोहरा, जनपद अध्यक्ष नेहा सिंघल, झाखरपारा मंडल अध्यक्ष सीताराम यादव, देवभोग मंडल अध्यक्ष लुद्राक्ष साहू, चंद्रशेखर, शोभा चंद्र पात्र, युवा मोर्चा अध्यक्ष योगीराज माखन, केनुराम यादव, शीतला पांडेय सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

17 से शुरू होगा महापर्व छठ

लोक आस्था का महापर्व छठ पूरे देश में बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। छठ पर्व को लेकर लोगों में गहरी आस्था है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, जो भी सच्चे दिल से और नियम-निष्ठा के साथ छठ का व्रत करता है उसे एक स्वस्थ और तेजवान संतान की प्राप्ति होती है। दरअसल, छठ का व्रत मुख्य रूप से संतान की लंबी आयु, पारिवारिक सुख-समृद्धि, अच्छी सेहत और मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिए किया जाता है।

छठ पूजा की खास रौनक बिहार, नेपाल, झारखंड, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में देखने को मिलती है। आपको बता दें कि छठ पूजा का ये त्यौहार पूरे चार दिनों तक मनाया जाता है। पहले दिन नहाय-खाय, दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य और उसके अगले दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण किया जाता है।

महापर्व छठ 2023 की महत्वपूर्ण तिथियां

छठ पूजा 2023 की शुरुआत- 17 नवंबर 2023 से

पहला दिन- नहाय-खाय-17 नवंबर 2023

दूसरा दिन- खरना-18 नवंबर 2023

तीसरा दिन- डूबते सूर्य को अर्घ्य- 19 नवंबर 2023

चौथा दिन- उगते सूर्य को अर्घ्य- 20 नवंबर 2023

छठ पूजा का महत्व

हर साल कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को छठ का पर्व मनाया जाता है। इस पर्व में महिलाएं 36 घंटे का निर्जला उपवास करते हैं। यह व्रत संतान की दीर्घायु और परिवार की समृद्धि के लिए किया जाता है।

छठ का व्रत महिलाओं के अलावा पुरुष भी रखते हैं। छठ में सूर्य देव और छठी मईया की पूजा विधि-विधान और नियम, निष्ठा के साथ की जाती है।

मान्यता है कि आप इस व्रत में जितनी श्रद्धा से नियमों और शुद्धता का पालन करेंगे छठी मईया आपसे उतनी ही प्रसन्न होंगी।

रंगोली स्पर्धा में रानू भीमगंज प्रथम, द्वितीय स्थान पर ऋचा जैन ने बाजी मारी

नवापारा राजिम (दैनंदिनी)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दीपावली पर्व के पावन अवसर पर स्थानीय ओम शांति कॉलोनी में रंगोली स्पर्धा का आयोजन किया गया जिसमें कॉलोनी वासियों ने रंगोली के माध्यम से अपनी भावनाओं को अभिव्यक्ति प्रदान की। महिलाओं ने रंगोली स्पर्धा में बढ़-चढ कर हिस्सा लिया। इस

स्पर्धा में प्रथम स्थान पर रान भीमगंज रही वहीं द्वितीय स्थान ऋचा जैन ने प्राप्त किया। तृतीय स्थान पर देविका सेन ने व स्वाति शर्मा को संयुक्त रुप से दिया गया। रंगोली स्पर्धा में सिम्पी जैन, रोहिणी

, वर्षा , रेखा साहू को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

रंगोली स्पर्धा को सफल बनाने में ओम शांति कॉलोनी की जागरूक महिलाओं पार्वती सोनी, मंजू देवांगन, कृष्णा मैडम, तारिणी साहू,शकुन भीमगंज, अभिलाषा कामदार, शशि शर्मा, दुलारी साहू,श्यामली देवनाथ का विशेष योगदान रहा।

वास्तु से समाधान

– पं. देव नारायण शर्मा (वास्तु सलाहकार)

– दैनिक दैनन्दिनी https://www.dainandini.in

शास्त्रों के अनुसार भाईदूज का महत्व

वास्तु टिप्स

शास्त्रों के अनुसार भैयादूज अथवा यम द्वितीया को मृत्यु के देवता यमराज का पूजन किया जाता है। इस दिन बहनें भाई को अपने घर आमंत्रित कर अथवा सायं उनके घर जाकर उन्हें तिलक करती हैं और भोजन कराती हैं। ब्रजमंडल में इस दिन बहनें भाई के साथ यमुना स्नान करती हैं, जिसका विशेष महत्व बताया गया है। भाई के कल्याण और वृद्धि की इच्छा से बहने इस दिन कुछ अन्य मांगलिक विधान भी करती हैं।

यमुना तट पर भाई-बहन का समवेत भोजन कल्याणकारी माना जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार इस दिन भगवान यमराज अपनी बहन यमुना से मिलने जाते हैं। उन्हीं का अनुकरण करते हुए भारतीय भ्रातृ परम्परा अपनी बहनों से मिलती है और उनका यथेष्ट सम्मान पूजनादि कर उनसे आशीर्वाद रूप तिलक प्राप्त कर कृतकृत्य होती हैं।

बहनों को इस दिन नित्य कृत्य से निवृत्त हो अपने भाई के दीर्घ जीवन, कल्याण एवं उत्कर्ष हेतु तथा स्वयं के सौभाग्य के लिए अक्षत (चावल) कुंकुमादि से अष्टदल कमल बनाकर इस व्रत का संकल्प कर मृत्यु के देवता यमराज की विधिपूर्वक पूजा करनी चाहिए। इसके पश्चात यमभगिनी यमुना, चित्रगुप्त और यमदूतों की पूजा करनी चाहिए। तदंतर भाई के तिलक लगाकर भोजन कराना चाहिए। इस विधि के संपन्न होने तक दोनों को व्रती रहना चाहिए।

दीपोत्सव का समापन दिवस है कार्तिक शुक्ल द्वितीय, जिसे भैयादूज कहा जाता है। इस पर्व के संबंध में पौराणिक कथा इस प्रकार मिलती है। सूर्य की संज्ञा से दो संतानें थीं- पुत्र यमराज तथा पुत्री यमुना। संज्ञा सूर्य का तेज सहन न कर पाने के कारण अपनी छायामूर्ति का निर्माण कर उसे ही अपने पुत्र-पुत्री को सौंपकर वहां से चली गई। छाया को यम और यमुना से किसी प्रकार का लगाव न था, किंतु यम और यमुना में बहुत प्रेम था।

यमुना अपने भाई यमराज के यहां प्राय: जाती और उनके सुख-दुख की बातें पूछा करती। यमुना यमराज को अपने घर पर आने के लिए कहती, किंतु व्यस्तता तथा दायित्व बोझ के कारण वे उसके घर न जा पाते थे।

एक बार कार्तिक शुक्ल द्वितीय को यमराज अपनी बहन यमुना के घर अचानक जा पहुंचे। बहन यमुना ने अपने सहोदर भाई को बड़ा आदर-सत्कार किया। विविध व्यंजन बनाकर उन्हें भोजन कराया तथा भाल पर तिलक लगाया। यमराज अपनी बहन से बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने यमुना को विधिव भेंट समर्पित की। जब वे वहां से चलने लगे, तब उन्होंने यमुना से कोई भी मनोवांछित वर मांगने का अनुरोध किया।

यमुना ने उनके आग्रह को देखकर कहा- भैया! यदि आप मुझे वर देना ही चाहते हैं तो यही वर दीजिए कि आज के दिन प्रतिवर्ष आप मेरे यहां आया करेंगे और मेरा आतिथ्य स्वीकार किया करेंगे।

इसी प्रकार जो भाई अपनी बहन के घर जाकर उसका आतिथ्य स्वीकार करे तथा उसे भेंट दें, उसकी सब अभिलाषाएं आप पूर्ण किया करें एवं उसे आपका भय न हो। यमुना की प्रार्थना को यमराज ने स्वीकार कर लिया। तभी से बहन-भाई का यह त्योहार मनाया जाने लगा।

वस्तुत: इस त्योहार का मुख्य उद्देश्य है भाई-बहन के मध्य सौमनस्य और सद्भावना का पावन प्रवाह अनवरत प्रवाहित रखना तथा एक-दूसरे के प्रति निष्कपट प्रेम को प्रोत्साहित करना है। इस प्रकार दीपोत्सव-पर्व का धार्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय महत्व अनुपम है।

राशि के अनुसार भाई दूज पर बहनों को दें ये गिफ्ट, जिंदगी में होगा खुशियों का आगमन

भाई दूज का पर्व भाई-बहन के बीच अटूट स्नेह के रिश्ते का प्रतीक है। इस दिन बहनें अपने भाईयों को तिलक लगा कर उनकी लंबी आयु की मंगलकामना करती हैं। आईए जानते हैं आचार्य इंदु प्रकाश से कि भाई दूज के दिन किन राशि वाली बहनों को टीका लगाने के बाद अपने भाईयों को कौन-सी मिठाई खिलानी चाहिए और किन राशि वाले भाईयों को इस दिन कौन सा गिफ्ट अपनी बहनों को देना चाहिए।

मेष- मेष राशि वाली बहनें अपने भाई को टीका लगाने के बाद गुलाब जामुन खिलाएं और इस राशि के भाई अपनी बहनों को फुटवियर गिफ्ट करें। ऐसा करने से भाई और बहन दोनों के जीवन में नित्य नयी खुशियां आयेंगी।

वृष- वृष राशि वाली बहनें अपने भाई को टीका लगाने के बाद बूंदी के लड्डू खिलाएं और इस राशि के भाई अपनी बहनों को अच्छी-सी पीले रंग की ड्रेस गिफ्ट करें। ऐसा करने से भाई को नौकरी में तरक्की मिलेगी साथ ही आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मिथुन- मिथुन राशि वाली बहनें अपने भाई को टीका लगाने के बाद पीले रंग की कोई मिठाई जैसे, बेसन के लड्डू खिलाएं और इस राशि के भाई अपनी बहनों को परफ्यूम गिफ्ट करें। ऐसा करने से भाई-बहन के साथ अच्छे रिश्ते बने रहेंगे और एक दूसरे को सहयोग भी करेंगे।

कर्क- कर्क राशि वाली बहने अपने भाई को टीका लगाने के बाद काजू की बर्फी खिलाएं और इस राशि के भाई अपनी बहनों को कोई इलेक्ट्रॉनिक गैजेट गिफ्ट करें। ऐसा करने से भाई के व्यापार में बढ़ोतरी होगी साथ ही अधिक आय के मौके मिलेंगे।

सिंह- सिंह राशि वाली बहनें अपने भाई को टीका लगाने के बाद कोई रसदार मिठाई जैसे, रस मलाई खिलाएं और इस राशि के भाई अपनी बहनों को घड़ी गिफ्ट करें। ऐसा करने से आपको भाई का सहयोग मिलता रहेगा।

कन्या- कन्या राशि वाली बहनें अपने भाई को टीका लगाने के बाद केसर युक्त मिठाई खिलाएं और इस राशि के भाई अपनी बहनों को चॉकलेट गिफ्ट करें। ऐसा करने से आपके पारिवारिक रिश्ते में और मधुरता बढ़ेगी।

तुला- तुला राशि वाली बहनें अपने भाई को टीका लगाने के बाद खोये से बनी कोई मिठाई खिलाएं और इस राशि के भाई अपनी बहनों को मेकअप किट गिफ्ट करें। ऐसा करने से भाई-बहनों के साथ अच्छा ताल-मेल बना रहेगा।

धनु- धनु राशि वाली बहनें अपने भाई को टीका लगाने के बाद पनीर से बनी कोई मिठाई खिलाएं और इस राशि के भाई अपनी बहनों को फूल के प्रिंट वाला कोई कपड़ा देकर उनका आशीर्वाद लें। ऐसा करने से भाई को करियर में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक- वृश्चिक राशि वाली बहनें अपने भाई को टीका लगाने के बाद नारंगी रंग की कोई मिठाई जैसे, इमरती खिलाएं और इस राशि के भाई अपनी बहनों को गर्म कपड़े गिफ्ट करें। ऐसा करने से जीवन में सुख-सुविधा बढ़ेगा लिहाजा आपका जीवन खुशहाल बीतेगा।

मकर- मकर राशि वाली बहनें अपने भाई को टीका लगाने के बाद बेसन से बनी कोई मिठाई जैसे, सोन पापड़ी खिलाएं और इस राशि के भाई अपनी बहनों को उसकी जरूरत की कोई चीज़ गिफ्ट करें। ऐसा करने से आपके जीवन में आ रही रुकावटें दूर होंगी।

कुंभ- कुंभ राशि वाली बहनें अपने भाई को टीका लगाने के बाद पेठे की मिठाई खिलाएं और इस राशि के भाई अपनी बहनों को इयरिंग्स गिफ्ट करें। ऐसा करने से आर्थिक स्थिति बेहतर बनेगी।

मीन- मीन राशि वाली बहनें अपने भाई को टीका लगाने के बाद बर्फी खिलाएं और इस राशि के भाई अपनी बहनों को पर्स गिफ्ट करें। ऐसा करने से कर्ज से छुटकारा मिलेगा।

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा जमकर बरसे, कहा- करप्शन का लेंगे हिसाब

सरकार और नक्सली के बीच चलता है इलू-इलू

गरियाबंद ››दैनन्दिनी.

बिंद्रानवागढ़ में भाजपा प्रत्याशी गोवर्धन मांझी के प्रचार में पूर्व सीएम रमन सिंह ने झाखरपारा में तो असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुजीभांठा में सभा की. दोनों ने कहा भाजपा की सरकार आ रही, भूपेश बघेल के करप्शन का हिसाब लेंगे. हिमंत बिस्वा बोले सीआरपीएफ को गाली देने वाले सरकार और नक्सली के बीच इलू-इलू चलता है.

भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने आज दो स्टार प्रचारक ने बेक टू बेक सभा लेकर प्रत्याशी गोवर्धन मांझी के पक्ष में माहौल बनाया. पूर्व सीएम डॉक्टर रमन सिंह ने झाखरपारा में भाजपा की जन घोषणा पत्र में किए गए प्रावधानों को गिनाते हुए कहा कि 5 साल पहले जो काम अधूरा छोड़ कर गया था. आज भी वह जस की तस है, बेलाट नाला पर पूल, बरही नाला की ऊंचाई,झाखारपारा में सहकारी बैंक खोले जायेंगे. कांग्रेस सरकार को आड़े हाथों लेते हुए रमन सिंह ने कांग्रेस सरकार पर 1300 करोड़ के गोबर घोटाला का आरोप लगाया. साथ ही पीएससी घोटाला, शराब घोटाला, महादेव सट्टा एप का जिक्र कर सरकार को घेरने की भी कोशिश की. आगे कहा कि 25 दिसंबर को अटल सुसाशन दिवस पर भाजपा सरकार के समय दो साल के बोनस का बकाया सभी किसान खाते में पहुंच जाएंगे. रमन सिंह ने सभा में भाजपा प्रत्याशी के पूर्व कार्यकाल के उपलब्धियों को गिनाते हुए इस बार भी गोवर्धन मांझी के पक्ष में मतदान करने की अपील किया. सभा में पूर्व मंत्री चंद्र शेखर साहू, बाबा उदय नाथ, विधायक डमरूधरपुजारी ने भी गोवर्धन मांझी के पक्ष में मतदान कर भाजपा की सरकार बनाने की अपील किया.

अपने चिर परिचित अंदाज में असम के सीएम और भाजपा के स्टार प्रचारक हिमंत बिस्वा सरमा ने पहले तो हिंदू मंदिरों में कांग्रेस के बड़े नेताओं की दूरी, फिर बस्तर में जनजाति का धर्मांतरण को लेकर कांग्रेस पर हमलावर हुए. भाजपा नेताओं की लगातार हत्या का जिक्र करते हुए सरकार पर नक्सली के साठगांठ का आरोप लगाते हुए दोनों के साथ इलू-इलू होना बताया. बिस्वा ने लोगों को माता कामाख्या दर्शन के लिए असम आने का न्यौता भी दिया और बोले कि सारे खातिरदारी की जवाबदारी मेरी.प्रचार के अंतिम दौर में भाजपा ने भी गढ़ बचाने पूरी ताकत झोंक दिया है. 12 नवंबर को कांग्रेस ने जिस झाखरपारा में सीएम भूपेश भूपेश की सभा कराया था. उसी स्थान पर आज भाजपा ने रमन सिंह की सभा कराई, इतना ही नहीं गुरुजीभांठा में स्टार प्रचारक हिमंत बिस्वा का सभा करा, दुगुनी भिड़ जुटाने में सफल हो गए. भाजपा नेताओं ने मोदी ओर केंद्र की योजनाओं के सहारे जनता को साधने की कोशिश किया.

भाजपा ने कांग्रेस की तुलना में अपने कार्यक्रम में सामाजिक संतुलन बनाने में सफल रहे. मंच पर सभी समाज के लोगों को स्थान दिया. यादव समाज के युवा अध्यक्ष सुशील यादव ने अपने 200 समर्थकों के साथ भाजपा प्रवेश कर लिया. वहीं महरा समाज ने जातिगत त्रुटि सुधार के लिए मंच पर पहुंच रमन सिंह का आभार जताया. बिस्वा के सभा में बंजारा समाज के प्रतिनीधि मंडल ने अपना पारंपरिक पोशाक पहनाया.

रायपुर में पहली बार बड़े स्तर पर की गई गोवर्धन पूजा

रायपुर ››दैनन्दिनी.

पांच दिन के दीपावली महापर्व में चौथे दिन गोवर्धन की पूजा अर्चना की जाती है. हर वर्ष कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को गोवर्धन पूजा की जाती है. इस तिथि को अन्नकूट के नाम से जाना जाता है क्योंकि इस दिन घरों में अन्नकूट का भोग बनाया जाता है. गोवर्धन पूजन के दिन घरों में गोबर से गोवर्धन महाराज की प्रतिमा बनाई जाती है और पूरे परिवार के साथ शुभ मुहूर्त में पूजन किया जाता है. मान्यता है कि इस दिन भगवान कृष्ण ने देवराज इंद्र का घमंड चूर किया था और अपनी कनिष्ठा उंगली पर गोवर्धन पर्वत को उठाकर ब्रजवासियों की रक्षा की थी. गोवर्धन पूजा का पर्व दिवाली के दूसरे दिन मनाया जाता है. लेकिन इस बार कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 13 नवंबर दिन सोमवार से दोपहर 2 बजकर 56 मिनट से हो रही है और तिथि का समापन 14 नवंबर दिन मंगलवार को दोपहर 2 बजकर 36 मिनट पर हुआ. ऐसे में उदया तिथि को मानते हुए गोवर्धन पूजन 14 नवंबर यानी आज मनाया जा रहा है. छत्तीसगढ़ में भी आज धूमधाम से गोवर्धन पूजा की जा रही है. राजधानी रायपुर में पहली बार बड़े स्तर पर गोवर्धन पूजा की गई. इस्कॉन बेंगलोर का ब्रांच हरे कृष्ण मूवमेंट ने डूढ़क स्टेट गार्डन में गोवर्धन पूजा का आयोजन किया था. गोवर्धन पूजा में भगवान श्री कृष्ण को 108 प्रकार का भोग लगाया गया. 70 पाउंड केक और 38 किलो सूजी से गोवर्धन पर्वत बनाया गया था. वहीं, कार्यक्रम में रायपुर ग्रामीण से कांग्रेस प्रत्याशी पंकज शर्मा समेत शहर के 500 से अधिक लोग शामिल हुए.

झूठे दावे-झूठे वादे, कांग्रेस के नहीं नेक इरादे : अनुराग ठाकुर

रायपुर ››दैनन्दिनी.

2018 में किए गए वादे पर कांग्रेस सरकार को घेरते हुए केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने तुकबंदी करते हुए कहा कि झूठे दावे-झूठे वादे, कांग्रेस के नहीं नेक इरादे. भूपेश बघेल भाग रहे हैं. बहुत हुआ सट्टे का खेल, बाय-बाय भूपेश बघेल. सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने एकात्म परिसर में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कांग्रेस सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि मातृ शक्ति को 500 रुपए महीना देंगे कहा था, नहीं दिया. 500 रुपए में सिलेंडर देंगे कहा था, नहीं दिया. पूर्ण शराबबंदी नहीं की. 5 सालों में लाखों युवाओं को रोजगार नहीं दिया. छात्रों को परिवहन की सुविधा देने का वादा किया था, नहीं दिया. जमीन देंगे, घर देंगे कहा था, नहीं किया. पीएससी में युवाओं के साथ खिलवाड़ किया. गोठान में गड़बड़ी की है. महादेव को भी नहीं छोड़ा. भाजपा नेता ने कहा कि छत्तीसगढ़ पहला राज्य नहीं है. मैं हिमाचल प्रदेश से आता हूं. उन्होंने हिमाचल की जनता को ठगा. 11 महीने से मुंह दिखाने नहीं आए. हिमाचल प्रदेश की 23 लाख महिलाएं इंतजार कर

रही हैं. एक लाख लोगों को रोजगार देने की बात कही थी,

नहीं दी पाई. कांग्रेस फेल, कांग्रेस की गारंटी फेल. सोनिया जी कुछ बोलती नहीं हैं. छत्तीसगढ़ से लेकर हिमाचल से लेकर कर्नाटक तक इनकी गारंटी नहीं रही. छत्तीसगढ़ की भोली-भाली जनता को बचाओ. कांग्रेस की झूठी गारंटी से बचाओ.

अनुराग ठाकुर ने कहा कि भू-पै करो. 5 साल तक चलता रहा. 508 करोड़ महादेव से भू पे हुआ. ना कांग्रेस की सरकार होगी, ना संरक्षण होगा. अगर वहां से घोटाले वाले नहीं बचे. पक्की गारंटी है. जो मुंह लटका कर बैठे हैं, वो भी छिप कर बैठे हैं. गारंटी लेना है तो मोदी जी की लें. अटल जी ने छत्तीसगढ़ का राज्य बनाया. कांग्रेस सरकार जो 5 साल में नहीं दे पाई, वह हम 2 साल कर देंगे. केंद्रीय मंत्री ने प्रदेश में लाखों रोजगार के अवसर पैदा करने की बात कहते हुए कहा कि राज्य हमने बनाया. 15 सालों में भारतीय जनता पार्टी ने काम किया. एक समय आया है. तेंदू पत्ते का बोनस हम देंगे. 31 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से धान हम खरीदेंगे. 2 साल का बोनस हम देंगे. तेंदूपत्ते का संग्रह हम करेंगे, 45 दिनों तक बोनस देने का काम हम करेंगे. 10 लाख रुपए का तक हम मुफ्त उपचार देंगे.

जन ओषधि केंद्र हम खोलेंगे

अनुराग ठाकुर ने कहा कि 18 लाख गरीबों के आवास-मकान नहीं बने, जबकि थोड़ा पैसे ये दे रहे थे, बाकी पैसा मोदी जी दे रहे थे. बीपीएल परिवार के बच्चों को रानी दुर्गावती योजना के तहत पैसे देने की व्यवस्था करेंगे. महिलाओ को महतारी वंदन योजना के तहत हर साल 12 हजार हम देंगे. दीन दयाल उपाध्याय योजना के तहत भूमिहीन लोगों को 10 हजार देंगे. पेपर लीक नहीं होने देंगे. युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने देंगे. छत्तीसगढ़ में 500 रुपए में सिलेंडर मिलेगा. केंद्रीय मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 5000 हजार महिला-बेटियों के साथ घटनाएं हुई, राजस्थान में 2 लाख घटनाएं हुई. आईं थीं छत्तीसगढ़ में 5000 हजार बेटी के लिए 'लड़की लड़ सकती हूं' कहा था. क्या लड़ पाई. यहां भू पे हो रहा था. केश कहीं और जमा हो रहा था. 5 साल में झूठे वादे, अधूरे वादे जनता ने देखा है. कांग्रेस की ऐसी हालत हो गई है कि ये लोग अपने नेताओं को कूड़ेदान में फेंक दिया, जिनके कंधे से कंधे मिलाकर चलते थे.

रायपुर में फिर लगेगा भारत के बेहतरीन डे और बोर्डिंग स्कूलों का मेला

रायपुर ››दैनन्दिनी.

बच्चों के लिए समग्र शिक्षा का महत्व काफी बढ़ रहा है. डे स्कूल और बोर्डिंग स्कूल के बीच चयन करना माता-पिता के लिए हमेशा बहुत कठिन होता है. इसके अलावा सही जानकारी की कमी और समय की कमी के कारण, माता-पिता के लिए एक दिन के स्कूल की तुलना में बोर्डिंग स्कूल में पढ़ने के फायदों का मूल्यांकन करना अधिक कठिन होता है. अब, अपने बच्चे के लिए भारत के बेहतरीन बोर्डिंग स्कूलों की खोज करना कोई दूर का सपना नहीं है.

हर साल की तरह बेहतरीन स्कूलों पर भारत का सबसे बड़ा शो 'प्रीमियर स्कूल एक्जीबिशन' एक बार फिर रायपुर आ रही है, जिसमें 25+ भारत के विरासत बोर्डिंग स्कूल और न्यू-एज इंटरनेशनल स्कूल एक मंच पर साथ होंगे, ताकि माता-पिता को अपने बच्चों के लिए सही स्कूल चुनने में मदद मिल सके.

यह 2 दिवसीय कार्यक्रम एशिया के अग्रणी शिक्षा मेला आयोजक स्वदृक्स एग्जीबिशन एंड मीडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित किया जा रहा है. इसका आयोजन रायपुर स्थित सयाजी होटल में 18-19 नवंबर को सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक होगा. यह प्रदर्शनी माता-पिता के लिए अपने बच्चों को भारत के बेहतरीन बोर्डिंग स्कूलों में से एक में बहुसांस्कृतिक विविध माहौल प्रदान करने, समग्र शिक्षा, वैश्विक प्रदर्शन और सफल जीवन के लिए बेहतरीन सलाह सुनिश्चित करने का अवसर प्रदान करती है.

'प्रीमियर स्कूल एक्जीबिशन' लगातार 20वें वर्ष आयोजित किया जा रहा है. यह उन माता-पिता के लिए जीवन-रेखा है, जो अपने बच्चे के लिए सही स्कूल की तलाश में हैं. प्रदर्शनी में देश के विभिन्न हिस्सों से भारत के उच्च रैंक वाले बोर्डिंग स्कूल शामिल हैं, जिनमें हिल स्टेशन के लेजेंडरी स्कूलों से लेकर हलचल भरे शहरों के अंतरराष्ट्रीय स्कूल शामिल हैं, जिनमें यूके के कुछ शीर्ष विरासत वाले बोर्डिंग स्कूल भी शामिल हैं, जिनके परिसर अब भारत में हैं.

माता-पिता के पास भाग लेने वाले स्कूलों के प्रधानाचार्यों और निदेशक से सीधे जुड़ने का अनूठा मौका है, जिससे वे समझ सकें कि बोर्डिंग स्कूल उनके बच्चे के लिए जीवन बदलने वाला अनुभव कैसे हो सकते हैं. इसके अलावा, माता-पिता स्कूल परिसर, पाठ्यक्रम, खेल, फीस, प्रवेश प्रक्रिया, भोजन, देहाती देखभाल, छात्रवृत्ति और बहुत सी बातों के बारे में सटीक, विश्वसनीय जानकारी एकत्र कर सकते हैं. प्रीमियर स्कूल के आयोजन एएफएआईआरएस एक्जीबिशन एंड मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और प्रबंध निदेशक संजीव बोलिया कहते हैं कि प्रदर्शनी आपके वार्ड की एक आशाजनक यात्रा की शुरुआत के लिए आदर्श प्रवेश द्वार है. हम प्रीमियर स्कूल प्रदर्शनी के 20वें संस्करण को रायपुर में लाने के लिए उत्साहित हैं. हमारा उद्देश्य माता-पिता को भारत में शिक्षा के उभरते परिदृश्य से अपडेट रखना और उन्हें अपने बच्चों के भविष्य के बारे में सही निर्णय लेने के लिए प्रामाणिक जानकारी प्रदान करना है.

2018 का वादा निभाया नहीं, वह सालाना 15 हजार रुपए कैसे देंगे : हिमंत बिस्वा

रायपुर ››दैनन्दिनी.

छत्तीसगढ़ में भाजपा का प्रचार के लिए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा रायपुर पहुंचे. इस दौरान उन्होंने रायपुर एयरपोर्ट में पत्रकारों से चर्चा की और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा. सीएम हिमंत बिस्वा ने कांग्रेस के गृह लक्ष्मी योजना की घोषणा पर कहा कि 2018 का वादा निभाया नहीं. जो 500 नहीं दे सकता है वह सालाना 15 हजार रुपये कैसे दे पाएगा. हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि बीजेपी ने घोषणा पत्र निकाल दिया है तो सीएम भूपेश बघेल नर्वस हो गए हैं. दीपावली के दिन उन्होंने महिलाओं को सलाना 15000 रुपये देने की घोषणा की. 2018 में बोले थे 500 रुपये महीना महिलाओं को देंगे, 2018 का वादा निभाया नहीं. जो 500 नहीं दे सकता है, वह सालाना 15 हजार रुपये कैसे दे पाएगा? कांग्रेस सरकार में बौखलाहट दिख रही है. सबको पता चल गया है अब इनकी कहानी खत्म हो चुकी है. सरकार बीजेपी का बनने वाला है. 100त्न नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार बनेगी. कांग्रेस सरकार बैक फुट में आ चुकी है.

ढाई साल के सीएम थे भूपेश बघेल फिर ढाई साल का एक्सटेंशन कैसे मिला? एग्रीमेंट क्या हुआ? पहले ताम्रध्वज साहू का नाम चारों ओर चल रहा था पीच से पहले उनको बाहर किया. ढाई साल का कुर्सी संभाल आगे का ढाई साल एक्सटेंशन हो गया, बिना कुछ

लेनदेन के हो गया. बार-बार घोटाला कर रहे हैं कोयला से दारू से बाबा भोलेनाथ तक. अपने लिए जो किया वह किया लेकिन दिल्ली में कितना भेजे? दिल्ली का रुपया देश में कहां-कहां लगा, यह पूरा हिसाब आपको देना पड़ेगा चुनाव में जनता के सामने देना पड़ेगा.

कांग्रेस का आरोप हिमंत बिस्वा सरमा धर्म के नाम पर लड़ा कर जाते है, इसपर सरमा ने कहा कि सनातन का जयगान करना मेरा काम है. जब भी मुझे मौका मिलता है चुनाव हो, शादी हो, पर्व हो व्यक्तिगत संबंध हो दो शब्द में सनातन के बारे में बोल कर जाता हूं. सनातन के बारे में बोलना देश में गुण है. यहां नहीं बोलूं तो पाकिस्तान या बांग्लादेश में बोलूं क्या? कांग्रेस की घोषणाओं पर बोले हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि पूरा बीजेपी को नकल करने की कोशिश कर रहे हैं. पहले से हमको कॉपी कर रहे हैं. हम बोले 3100 धान का देंगे उन्होंने 3200 कर दिया. आनन फानन में महिलाओं को 15 हजार देने की घोषणा की. ओरिजिनल से कॉपी बड़ा होता है. सीएम भूपेश बघेल के चेहरे को लेकर हिमंत बिस्वा ने कहा कि पहले भूपेश बघेल का चेहरा हटाया कांग्रेस के नाम का इस्तेमाल हुआ. उसी दिन पता चल गया था कि एग्जिट पोल ओपिनियन पोल कांग्रेस के भी हाथ में आ चुका है कि अब चुनाव भूपेश के चेहरे में नहीं होगा. इसलिए बघेल का चेहरा हटाया अब किसका हटेगा.

नहीं रहे रमेश मोदी

विश्व हिन्दू परिषद को प्रदेश में मजबूत करने में थी अहम भूमिका

रायपुर। विश्व हिन्दू परिषद को प्रदेश में अहम मुकाम तक पहुंचाने में बड़ा किरदार निभाने वाले रमेश मोदी का मंगलवार को मुंबई में निधन हो गया. बड़े कपड़ा कारोबारी 82 वर्षीय रमेश मोदी किडनी की समस्या से ग्रसित थे, जिन्हें उपचार के लिए मुंबई स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया था. जानकारी के अनुसार, रमेश मोदी लंबे समय तक विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली थी. रायपुर में विश्व हिन्दू परिषद के पंडरी स्थित कार्यालय की स्थापना में इनकी अहम भूमिका थी. इनकी दानशीलता, सौहार्द एवं अनुकरणीय सहायता प्रदान करने वाले गुण को ध्यान में रखते हुए भाजपा शासनकाल के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने दानवीर भामाशाह सम्मान से सम्मानित किया था. रमेश मोदी चेंबर ऑफ कॉमर्स से भी के लंबे समय तक संरक्षक रहे. देवेंद्र नगर निवासी रमेश मोदी का पार्थिव शरीर आज रात या कल सुबह तक मुंबई से लाए जाने की संभावना जताई है. रमेश मोदी अपने पीछे पत्नी व दो बेटों का भरा-पूरा परिवार छोड़कर चले गए. उनके निधन से न केवल राजनीतिक बल्कि व्यावसायिक जगत में शोक का माहौल है. बता दें कि कुछ दिनों पहले ही यहां बड़ी मात्रा में आरपीएफ की टीम ने सोना भी पकड़ा था.

चुनाव हारते देख भाजपा के नेता गाली-गलौज व झूठे आरोपों पर उतर आये : कांग्रेस

रायपुर ››दैनन्दिनी.

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा चुनाव में हारती भाजपा स्तरहीन षडयंत्र पर उतर आई है। भूपेश बघेल छत्तीसगढ़िया मुख्यमंत्री है छत्तीसगढ़ की संस्कृति खान-पान रीति-रिवाज को संवर्धित कर रहे उसको आगे बढ़ा रहे है तो भाजपा के दिल्ली से आये नेता भूपेश बघेल का माखौल उड़ा रहे है।

उन्होंने कहा कि भाजपा के दिल्ली के नेता छत्तीसगढ़ की संस्कृति को हिकारत से देखते है। रमन सिंह ने उनको छोटा आदमी, चूहा, बिल्ली तक बता कर मजाक उड़ाया था। भाजपा से बर्दास्त नहीं कर पा रही एक छत्तीसगढ़िया मुख्यमंत्री की चर्चा मोदी के बराबर क्यों हो रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कामो की तुलना लोग मोदी से बेहतर बता रहे इसीलिये भाजपाई गाली गलौज में उतर आये है। यह भाजपा का फासीवादी चरित्र है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री को बदनाम करने षडयंत्र कर रहे है।

सुशील शुक्ला ने कहा कि भाजपा के नेता झूठे आरोप पर और गाली गलौज परउतर गये है। यह भाजपा की बौखलाहट को दिखाता है। यह बर्ताव बता रहा कि भाजपा अब की बार दहाई के अंक तक नहीं पहुंच पायेगी। प्रधानमंत्री ईडी के माध्यम से गलत कार्यवाही करवा कर एक व्यक्ति के बयान का हवाला देकर मुख्यमंत्री की छवि खराब करने षड्यंत्र पूर्वक प्रेस नोट जारी करवाते है, फिर उसी आधार पर बेशर्मी पूर्वक भाषण देते है। जिस ड्राइवर के कथित बयान पर मुख्यमंत्री की छवि खराब करने की कोशिश की गई उसने कोर्ट में बयान देकर ईडी और भाजपा के षड्यंत्र का खुलासा कर दिया है। अब प्रधानमंत्री में नैतिकता बची हो तो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से माफी मांगे।

बाल दिवस पर मेडिकल कॉलेज में पंडित नेहरू का पुण्य स्मरण

रायपुर ››दैनन्दिनी.

पं. जवाहरलाल नेहरू के जन्म दिवस 14 नवम्बर, बाल दिवस पर पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय में एक समारोह आयोजित कर उनका पुण्य स्मरण किया गया। अधिष्ठाता डॉ. तृप्ति नागरिया ने महाविद्यालय भवन के प्रवेश द्वार पर स्थापित पंडित नेहरू की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात उपस्थित सभी चिकित्सा शिक्षकों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किये और मिष्ठान वितरण किया गया। अधिष्ठाता डॉ. तृप्ति नागरिया ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम और स्वाधीनता पश्चात् स्वतंत्र राष्ट्र के आधुनिक निर्माण और विकास में प्रथम प्रधानमंत्री पंडित

जवारलाल नेहरू के महत्वपूर्ण योगदान का उल्लेख किया। मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष वरिष्ठ चिकित्सा शिक्षक डॉ. अरविन्द नेरल ने बताया कि सन् 1963 में पंडित नेहरू के नाम पर स्थापित इस चिकित्सा महाविद्यालय ने इसके गौरवशाली हीरक जयंती वर्ष तक 60 वर्षो में कई महत्वपूर्ण उपलब्धिया हासिल की है और 230 एम.बी.बी.एस. एवं 150 एम.डी. / एम.एस. प्रवेश संख्या के साथ प्रदेश के उत्कृष्ट चिकित्सा संस्थान का मुकाम हासिल किया है। इस अवसर पर डॉ. देवप्रिया लकरा, डॉ. प्रतिभा जैन शाह, डॉ. जया लालवानी, डॉ. जागृति अग्रवाल, डॉ. सुमित त्रिपाठी, डॉ. पी.के. खोडियार, डॉ. निकिता शेरवानी, डॉ. स्निग्धा जैन, डॉ. प्रवीण कुर्रे, डॉ. दिवाकर धुरंधर, डॉ. प्रवीण बंजारे, डॉ. मंजू अग्रवाल, डॉ. रूपम गहलोत व अन्य चिकित्सा शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित थे।

लोन लेने के लिए ITR बनवाए मात्र 500/- रू. में

जी.एस.टी. रिटर्न	FOOD लायसेंस
इनकम TAX फाईल	MSME रजिस्ट्रेशन
TDS रिफन्ड	प्रोजेक्ट रिपोर्ट
IT नोटिस	डिजिटल सिगनेचर

सम्पर्क- शेखर गुप्ता WWW.ONLYTDS.COM
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद करने हेतु तैयार
9300755544, 8878655544

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-ब्रजेश शुक्ला द्वारा आशीर्वाद, सी-255, रोहिणीपुरम रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्रा.लि.जयस्तंभ चौक रायपुर, (छ.ग.) से मुद्रित। फोन-0771-4059450, ईमेल- dainandini@yahoo.in, mail2dainandini@gmail.com